संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 66
पृष्ठ 8
रविवार
23 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- माइग्रेन, आंखों की कमजोरी और....

विचार- आतंकवाद की ओर जा रहे हैं ...

खेल- ऑस्ट्रेलिया ने 205 रन का लक्ष्य ...

जी20 में भारत की दमदार दस्तकः

प्रधानमंत्री मोदी का ड्रग्स-आतंकवाद के गठजोड़ पर कड़ा प्रहार, स्वास्थ्य को भी दी प्राथमिकता

जोहानिसबर्ग,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी–20 शिखर सम्मेलन में भारत के सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप वैश्विक विकास को नया रूप देने के उद्देश्य से कई पहलों का प्रस्ताव रखा। 'समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जी–20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति–दोहन को बढ़ावा दिया है। ये चुनौतियाँ अफ्रीका में तीव्र रूप से महसूस की जा रही हैं।

मोदी ने कहा कि अफ्रीका द्वारा पहली बार जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के साथ, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से एकात्म मानववाद का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ष्दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी–20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित किया, जिसमें समावेशी और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। अफ्रीका द्वारा पहली बार जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के साथ, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेषकर एकात्म मानववाद का सिद्धांत आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। मोदी ने कहा कि मैंने सर्वांगीण विकास के हमारे सपने को साकार करने के लिए कुछ कार्ययोजनाएँ प्रस्तावित कीं। उनमें से पहला है ळ20 वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार का निर्माण। इस संबंध में भारत का इतिहास समृद्ध है। इससे हमें अपने सामूहिक ज्ञान को बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अफ्रीका की प्रगति वैश्विक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत हमेशा अफ्रीका के साथ एकजुटता में खड़ा रहा है। मुझे इस बात पर गर्व है कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकी संघ जी20 का स्थायी सदस्य बना। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए, भारत जी20–अफ्रीका कौशल गुणक पहल का प्रस्ताव रखता है। हमारा सामूहिक लक्ष्य अगले दशक के भीतर अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत एक जी20 वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल (G20 Global Healthcare Response Team) के गठन का प्रस्ताव रखता है।

मुर्मू ने की श्री सत्य साईं ट्रस्ट की प्रशंसा, कहा-

शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास में निभाई अहम भूमिका

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश),एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज आंध्र प्रदेश दौरे पर सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति ने कहा श्री सत्य साईं बाबा ने इस विश्वास पर जोर दिया कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। उन्होंने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। मुर्मू ने कहा, सत्य साईं बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को जन कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ सेवा के माध्यम से निस्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साईं संगठन को सेवा और स्वयंसेवा के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है। श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और उसके संदेश पर राष्ट्रपति ने कहा, सत्य साईं बाबा का संदेश, सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव सहायता करो और कभी किसी को कष्ट न पहुंचाओ, शाश्वत और सार्वभौमिक है। उन्होंने कहा, सत्य साईं बाबा का मानना था कि विश्व ही हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा ये पाँच मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम हैं। शताब्दी समारोह में आने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 11 बजे पुट्टपर्थी के श्री सत्य साईं हवाई अड्डे पर पहुंचीं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। पूर्णचंद्र ऑडिटोरियम में आयोजित श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में कई और गणमान्य हस्तियां भी शरीक हुईं।

रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को बड़े आयोजन की कवायद

एसआईआर पर हल्लाबोल की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस पार्टी वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ लोगों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। इसी कोशिश के तहत कांग्रेस पार्टी 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन करने जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि लोगों का वोट देने का संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और दावा किया कि इंडी गठबंधन के सहयोगी भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं हैं। कांग्रेस की रैली पर तेलंगाना कांग्रेस के नेता वी हनुमंता राव ने कहा कि 65 लाख मत चोरी कर लिए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने इसकी जांच भी नहीं कराई। यही वजह है कि सभी राजनीतिक पार्टियां रामलीला मैदान में रैली करेंगी। राहुल गांधी भी इस रैली में शामिल होंगे और देशवासियों को बताएंगे की देश में किस तरह से बेईमानी हो रही है। बाबा साहेब आंबेडकर ने लोगों को जो अधिकार दिए, उन्हें लागू नहीं किया जा रहा। लोगों को इसके खिलाफ एकजुट होना चाहिए। वोट चोर, गद्दी छोड़ की बैठक सफल होगी। एनडीए सरकार को अपनी आंखें खोलनी चाहिए। कांग्रेस के 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एसआईआर के मुद्दे पर बड़ी रैली करने को लेकर भाजपा ने कहा कि एसआईआर सिर्फ एक बहाना और चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि, एसआईआर तो एक बहाना है। परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही कांग्रेस है जिसने महाराष्ट्र में एसआईआर का समर्थन किया था, इसे तुरंत लागू करने की मांग की थी, फिर भी बंगाल और बिहार में कांग्रेस पार्टी एसआईआर पर अलग स्टैंड लेती है। वे एसआईआर का विरोध करते हैं, लेकिन बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील या शिकायत फाइल नहीं की गई है। पूनावाला ने कहा कि श्कांग्रेस के नेता भी इस वोट चोरी की बात पर यकीन नहीं करते। तारिक अनवर और दूसरे लोग इसे गलत बताते हैं, उनका दावा है कि टिकट चुराए गए थे, वोट नहीं। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को पहले अपने नेताओं और अपने साथियों को समझाना चाहिए। इस रैली में भी, इंडी गठबंधन का कोई पार्टनर शामिल नहीं हो रहा है। कांग्रेस कह रही है, वोट चोर, गद्दी चोर, लेकिन कांग्रेस के साथी कह रहे हैं, कांग्रेस चोर, इंडी गठबंधन तोड़।

निकाय चुनाव में मतदान से पहले ही पार्टी के 100 पार्षद निर्विरोध जीते

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने दावा किया है कि निकाय चुनाव से पहले ही राज्य भर में म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायतों में सत्ताधारी पार्टी भाजपा के 100 पार्षद निर्विरोध चुन लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन नगर पालिका के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुन लिए गए हैं। शुक्रवार को निकाय चुनाव में नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन था। चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व की वजह से, मतदान से पहले ही 100 भाजपा पार्षद बिना किसी विरोध के चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि 100 पार्षदों में से चार तटीय कोंकण क्षेत्र से, 49 उत्तरी महाराष्ट्र से, 41 पश्चिमी महाराष्ट्र से, और तीन–तीन मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र से हैं। महाराष्ट्र की 246 नगर परिषद और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर को होने हैं और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। मंत्री गिरीश महाजन और जयकुमार रावल समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार निकाय चुनाव में बिना किसी विरोध के चुने गए हैं। इसे लेकर विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि भाजपा की खानदानी राजनीति की परंपरा अब जमीनी स्तर के चुनावों तक पहुंच गई है और नेताओं के रिश्तेदारों की बिना किसी विरोध के जीत पक्की करने के लिए पुलिस मशीनरी पर दबाव डाला जा रहा है। जामनेर में, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन की पत्नी साधना महाजन, कांग्रेस उम्मीदवार रूपाली लालवानी और एनसीपी के दो उम्मीदवारों के मैदान से हटने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुनी गईं। मंत्री जयकुमार रावल की मां, नयन कुंवर रावल, धुले जिले में डोंडाइचा–वरवड़े नगर परिषद की अध्यक्ष बिना किसी मुकाबले के चुन ली गईं, क्योंकि विरोधी उम्मीदवार शरयू भावसार का नामांकन रद्द हो गया था। भावसार ने आरोप लगाया कि मंत्री के दबाव में उनका नामांकन रद्द किया गया।

ढाई साल बाद कर्नाटक कांग्रेस में फिर शुरू हुई कुर्सी की लड़ाई

पद छोड़ने के मूड में नहीं सिद्धरमैया

बेंगलुरू, एजेंसी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सरकार के गठन के समय पार्टी के दो बड़े नेताओं सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच जो टसल शुरू हुई थी, वह एक बार फिर सामने आने लगी है। इसको लेकर पिछले कुछ दिनों से सियासी गलियारों में बहस तेज होने लगी है कि क्या कांग्रेस सिद्धरमैया को बदलकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाएगी। चर्चा यह भी है कि दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के लिए पार्टी सीएम की कुर्सी साझा करने के फॉर्मूले पर सहमत हुई थी। सत्ता साझा करने पर बनी सहमति के बारे में कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है, लेकिन दोनों ही नेताओं के समर्थक अपने–अपने पक्ष में दावे कर रहे हैं। इसे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। सिद्धरमैया ने 20 नवंबर को ही मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल पूरे किए हैं। कांग्रेस सूत्रों के हवाले से आई खबरों में बताया कि शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर दबाव बनाने के मकसद से कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन विधान परिषद सदस्य दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

दो साल पहले कांग्रेस 224 सदस्यों वाली कर्नाटक विधानसभा में 135 सीटों के साथ सत्ता में आई थी। तब के दिनों में किसी राज्य में कांग्रेस की यह बड़ी जीत थी। लेकिन पार्टी इस का जश्न ठीक से मना भी नहीं पाई थी कि सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर ठन गई। पार्टी आलाकमान ने उस समय तो किसी तरह मामले को संभाल लिया। लेकिन एक बार कर्नाटक में कांग्रेस का नाटक खुलकर सामने आ गया है। पार्टी को सख्त चेतावनी देनी पड़ी है और अपने विधायकों और नेताओं पर नेतृत्व को लेकर सार्वजनिक बयान देने से रोकना पड़ा है। शिवकुमार के समर्थकों के दिल्ली में डेरा डालने के बीच सीएम सिद्धरमैया ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा।

चुनाव ड्यूटी बनी मौत का कारण? नदिया में बीएलओ के शव मिलने से सनसनी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के पद पर कार्यरत एक महिला शनिवार सुबह अपने घर पर मृत पाई गई। पुलिस ने बताया कि उसके परिवार का आरोप है कि वह काम के तनाव में थी और उसने आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने बताया कि स्कि तरफदार नाम की बीएलओ छपरा के कृष्णानगर स्थित बंगालझी इलाके में अपने घर के कमरे में छत से लटकी हुई पाई गई। पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है। अधिकारी ने कहा कि परिवार का दावा है कि वह एसआईआर के कार्यभार के कारण अत्यधिक दबाव में थी। हमें उसके कमरे से एक नोट मिला है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आवश्यक जाँच चल रही है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि स्कि तरफदार नाम की बीएलओ का शव छपरा के कृष्णानगर स्थित बंगालझी इलाके में अपने घर के कमरे में छत से लटका मिला। अधिकारी ने कहा, ''परिवार का दावा है कि एसआईआर संबंधी काम के बोझ के कारण वह काफी दबाव में थी। हमें उसके कमरे से एक नोट मिला है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आवश्यक जांच जारी है।'' राज्य के मंत्री उज्ज्वल विश्वास ने मृतक के घर जाकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर प्रक्रिया को रोकने का आग्रह किया है।

छात्रनेता को पुलिस ने कई घंटे थाने में बैठाकर छोड़ा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से पहले छात्र नेता संदीप यादव को पुलिस ने कई घंटों तक हिरासत में रखा। कोराव और क्राइम ब्रांच पुलिस की हिरासत से छूटने के बाद संदीप यादव ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वह भदोही की लक्ष्मी विश्वकर्मा को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखने की तैयारी कर रहे थे। संदीप यादव के अनुसार, शुक्रवार देर शाम सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और उन्हें हिरासत में ले लिया। पहले उन्हें क्राइम ब्रांच ले जाया गया, फिर शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर कोराव थाने ले जाया गया। पुलिस ने उन्हें लगभग 24 घंटे बाद चेतावनी देकर रिहा कर दिया। लक्ष्मी विश्वकर्मा का मामला भदोही जिले से जुड़ा है, जहां 24 नवंबर 2024 को 11 वर्षीय लक्ष्मी की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया था। आरोप है कि अपराधियों ने उसकी किडनी निकाल ली थी। प्रयागराज विश्वविद्यालय के छात्र नेता संदीप यादव पिछले एक साल से इस परिवार को न्याय दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं और उन्होंने कई राजनीतिक मंचों पर लक्ष्मी हत्याकांड की जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शनिवार को माघ मेले में भूमि पूजन के लिए प्रयागराज दौरा प्रस्तावित था। संदीप विश्वकर्मा ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री से मिलने और अपनी बात कहने की पोस्ट की थी। मुख्यमंत्री के सामने संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए, सतर्क पुलिस प्रशासन ने खुफिया जानकारी के आधार पर संदीप को हिरासत में लिया।

शांडिल्य महराज बोले– स्वामी प्रसाद को जेल भेजने की जरूरत

प्रयागराज (संवाददाता)। जगदगुरु नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य महराज ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर कड़ा जवाब दिया। स्वामी प्रसाद ने कहा था जो हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले को सपोर्ट करता हो, उससे बड़ा आतंकवादी कौन होगा उसे जेल भेज देना चाहिए। इस पर लोगों में नाराजगी है। इस पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए जगदगुरु नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य महराज ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार को तुरंत सख्त कदम उठाना चाहिए और जेल भेज देना चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा निविदा सूचना दिनांक: 21.11.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है-

GeM बिड संख्या: GEM/2025/B/6913684 Dated- 21.11.2025

कार्य की अनुमानित लागत (रु. में): ₹ 159084880.00

कार्य का नाम: प्रयागराज कोचिंग डिपो की बेस ट्रेनों के सभी आरक्षित कोचों (अर्थात् एसी एवं नॉन-एसी आरक्षित कोचों) में ओबीएचएस तीन वर्षों की अवधि के लिए।

EMD: ₹ 945430.00	निविदा सिस्टम: दो पैकेट सिस्टम
ई निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य	कार्य की अवधि: 03 साल

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 21.11.2025

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 12.12.2025 को 15:00 बजे

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका सहित पूरी जानकारी GeM वेबसाइट www.GeM.gov.in पर उपलब्ध है। 2. GeM पर निविदा करने में किसी भी कठिनाई के लिए GeM वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 3. ऑनलाइन ई-निविदा GeM वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 4. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 2239/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25.11.2025 से 08.01.2026 तक झाँसी मण्डल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 03 पर स्थित वॉशेबल एप्रन को हटाकर उसके स्थान पर नये बैलास्टलेस ट्रैक के निर्माण कार्य के कारण पूर्व में दिनांक 25.09.2025 को जारी रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं रेग्युलेशन सम्बंधित सूचना के क्रम में निम्नलिखित संशोधन किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	पूर्व अधिसूचित तिथि	संशोधित तिथि
07363	श्री सिद्धारूढा स्वामीजी हुब्बलि-योग नगरी ऋषिकेश	01.12.2025 से 05.01.2026	24.11.2025 से 05.01.2026
07364	योग नगरी ऋषिकेश-श्री सिद्धारूढा स्वामीजी हुब्बलि	27.11.2025 से 01.01.2026	27.11.2025 से 08.01.2026
06598	योग नगरी ऋषिकेश-यशवंतपुर	29.11.2025 से 01.01.2026	29.11.2025 से 03.01.2026

रेलगाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	शॉर्ट टर्मिनेशन /ओरिजिनेशन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संशोधित तिथि
19665	खजुराहो-उदयपुर सिटी	आगरा कैंट	26.11.2025 से 09.01.2026	25.11.2025 से 08.01.2026
19666	उदयपुर सिटी-खजुराहो	आगरा कैंट	24.11.2025 से 07.01.2026	23.11.2025 से 06.01.2026

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	पूर्व अधिसूचित तिथि	संशोधित तिथि
22130	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	ललितपुर-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी-महोबा	ललितपुर-खजुराहो-महोबा	26.11.2025 से 01.01.2026	26.11.2025 से 07.01.2026
09190	कटिहार-मुम्बई सेंट्रल	प्रयागराज-कानपुर सेंट्रल-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-कटनी मुड़वारा-बीना	25.11.2025 से 01.01.2026	25.11.2025 से 06.01.2026

रेलगाड़ियों का नियंत्रण/(Regulation)

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	द्वारा रेग्युलेशन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संशोधित तिथि
22196	बांद्रा (ट.)-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	उत्तर मध्य रेलवे में 90 मिनट	25.11.2025 से 01.01.2026	25.11.2025 से 08.01.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2245/25(D)

योगी के कार्यक्रम में दिखीं विधायक पूजा पाल

भाजपा विधायकों के साथ मौजूद रहीं, सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा करने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। आईट्रिपलसी में आयोजित बैठक और संगम नोज पर हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसी बीच सबसे अधिक चर्चा जिस नाम की रही, वह कौशाम्बी की चायल सीट से विधायक पूजा पाल रहीं।

पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी और समाजवादी पार्टी से निष्कासित की जा चुकीं पूजा पाल मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में अन्य विधायकों के साथ मौजूद रहीं।

बैठक के बाद जब योगी आदित्यनाथ मीडिया को संबोधित कर रहे थे, तब भी वह पीछे खड़े जनप्रतिनिधियों में नजर आईं। उनकी मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में तुरंत हलचल तेज कर दी।

कार्यक्रम के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि क्या पूजा पाल जल्द ही भारतीय जनता पार्टी के साथ अपनी नई राजनीतिक पारी शुरू करने वाली हैं। सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर तमाम कयास लगाए गए।

उधर दैनिक भास्कर ने इस मामले में विधायक पूजा पाल से बात की। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि वह मुख्यमंत्री के सरकारी कार्यक्रम में शामिल हुई थीं, लेकिन बीजेपी में शामिल होने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री प्रयागराज में गंगा पूजन और हनुमान मंदिर दर्शन के लिए आए थे, और वह इसी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं।

पूजा पाल ने राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। उसके बाद से उन्हें कई सरकारी कार्यक्रमों में आमंत्रण मिलता रहा है। उनकी बढ़ती सक्रियता को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषक इसे भविष्य के संकेत के रूप में देख रहे हैं।

पूजा पाल के उपस्थिति ने भाजपा और प्रयागराज–कौशाम्बी की स्थानीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। हालांकि उन्होंने

फिलहाल किसी दल में औपचारिक रूप से शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन राजनीतिक घटनाक्रम आने वाले दिनों में तस्वीर को और स्पष्ट कर सकता है।

पूजा पाल 2007 से 2012 तक विधायक रह चुकी हैं। तब वह शहर पश्चिम सीट पर बसपा के टिकट पर चुनाव जीती थीं। बसपा में करीब 13 साल रहने के बाद उन्होंने सपा का दामन थाम लिया था। 2022 में वह कौशांबी जनपद की चायल सीट से सपा के टिकट पर चुनाव जीतीं। करीब 6.5 साल सपा में रहने के बाद इसी साल अगस्त में उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। पिछले साल राज्यसभा में क्रॉस वोटिंग के बाद ही से ही उनसे पार्टी नाराज चल रही थी।

प्रिंसिपल ने जनरेटर स्टार्ट के लिए भेजा...करंट से गई जान

प्रयागराज में 10 वीं के छात्र की स्कूल में मौत, पिता ने कहा- बेटे को सेना में अफसर बनाना था

प्रयागराज (संवाददाता)। सुबह बेटा घर से स्कूल जाने को निकला तो उसने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बोला– पापा

शिवम, मृतक छात्र

स्कूल में मेरा व्हाइट ड्रेस दाई को दे दिया, मैं बेटे का ड्रेस स्कूल साढ़े आठ बजे देकर आया। बेटे शिवम ने साढ़े 10 बजे प्रिंसिपल के नंबर से फोन कर ड्रेस के बारे में पूछा।

फिर बेटे के बेहोश होने की खबर दूसरे बच्चे के पिता से मिली। स्कूल वाले बिना हमें बताए बेटे की लाश लेकर अस्पताल– अस्पताल घूमते रहे। हमें बता देते तो कम से कम बेहतर इलाज करा कर उसे बचा तो लेते। अभी उसकी मां को बेटे की मौत के बारे में नहीं बताया है।

ये कहना है 10वीं के छात्र शिवम के पिता अमर सिंह का। वह अपने 14 साल के बेटे को सेना में अफसर बनाना चाहते थे। बेटे के सपने की खातिर उन्होंने खेती किसानी से मिलने वाली रकम को पानी की तरह बहाया, लेकिन अब शिवम इस दुनिया को छोड़ कर जा चुका है।

प्रयागराज के धूमनगंज थाना इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में गुरुवार को हुए स्पोर्ट्स डे के दिन 10वीं में पढ़ने वाले शिवम की मौत हो गई। पुलिस ने शिवम के पिता की तहरीर पर स्कूल के मैनेजर व प्रिंसिपल के खिलाफ शुक्रवार को केस दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से स्कूल में ताला लग गया है। स्कूल के जिम्मेदार मामले पर कुछ भी बोलने से अब बच रहे हैं।

धूमनगंज पुलिस ने शिवम की लाश का पोस्टमॉर्टम शुक्रवार को कराकर परिवार को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। परिवार के मुताबिक, शिवम की लाश का अंतिम संस्कार कौशांबी के बारा स्थित पैतृक गांव में किया जाएगा। अब पूरा मामला सिलसिलेवार तरीके से जानिए।

ट्रांसपोर्ट नगर के इंडियन पब्लिक स्कूल में गुरुवार को स्पोर्ट्स डे का आयोजन था। कक्षा एक से 12वीं के बच्चे स्पोर्ट्स ड्रेस में अपने अपने खेल में हिस्सा लेने पंहुचे थे। स्कूल में करीब 140 बच्चे पढ़ाई करते हैं। उन्हीं में एक था 10वीं का छात्र शिवम।

स्कूल में उसकी खेल की प्रतिभा को देखते हुए शिवम को स्कूल का स्पोर्ट्स कैप्टन बनाया गया था। शिवम कबड्डी और रेस का बेस्ट प्लेयर था। स्कूल सूत्रों के मुताबिक करीब 11रू15 बजे अचानक इलाके में पावर कट हो गया। स्कूल प्रिंसिपल अभय सिंह ने शिवम को बुलाकर कालेज के पावर रूप में जनरेटर चलाने को भेजा दिया।

बिना जूते पहने जनरेटर चलाने गया था बताया जा रहा है कि शिवम रेस खत्म कर लौटा था। उसने पैर में जूते नहीं पहने थे। बावजूद इसके प्रिंसिपल के कहने पर वह जनरेटर स्टार्ट करने चला गया और वह काफी देर नहीं लौटा। पावर चालू न होने पर स्कूल प्रिंसिपल ने दूसरे बच्चों को जनरेटर रूम की तरफ भेजा तो शिवम जनरेटर के पास जमीन पर अचेत गिरा हुआ था। यह देखकर बच्चे सन्न रह गए और आनन– फानन में शोर मचाते हुए स्टाफ रूम की भागे।

शिवम की हालत देख स्कूल प्रबंधन ने स्कूल की छुट्टी जल्दीबाजी में करके। उसे लेकर इलाके के निजी नर्सिंग होम में पंहुचे। जहां डॉक्टर ने प्राइमरी उपचार के बाद शिवम को हायर हेल्थ सेंटर ले जाने को रिफर कर दिया।

शिवम की हालत देख स्कूल के मैनेजर और प्रिंसिपल एक के बाद एक तीन अस्पताल के चक्कर लगाते रहे। लेकिन किसी अस्पताल ने उसे भर्ती नहीं किया। करीब 4 बजे शिवम के परिवार को दोस्त के पिता से जानकारी मिली तो सभी दौड़ते भागते नारायण स्वरूप अस्पताल पहुंचे। जहां उनका बच्चा एम्बुलेंस में पड़ा मिला।

स्कूल वालों ने जानकारी नहीं दी बहन प्रिया ने बताया– उसका भाई एम्बुलेंस में अस्पताल के बाहर पड़ा था। स्कूल के प्रिंसिपल व मैनेजर डॉक्टर के चेम्बर में न जाने क्या बात करते हुए काफी देर से बैठे थे। स्कूल वालों ने उसके भाई के साथ जो कुछ भी हुआ उसकी जानकारी सबसे पहले उन्हें नहीं दी।

उन्हें शिवम के बेहोश होने की बात स्कूल के एक दूसरे बच्चे के घर के पेरेंट्स के जरिए पता चली। उनका भाई पढ़ाई में तो सामान्य था, लेकिन स्पोर्ट्स में वह अच्छा खिलाड़ी था। इसलिए उसे स्कूल में स्पोर्ट्स का कैप्टन बनाया गया।

प्रिया ने कहा– भाई हादसे का शिकार हुआ या फिर उसे साजिश के तहत मारा गया। कुछ भी था उन्हें पहले जानकारी देनी चाहिए थी। अगर समय रहते बता देते तो वह शिवम को अच्छे से अच्छे अस्पताल में जाकर इलाज करा कर कम से कम बचा तो लेते। अब उसके साथ कौन शरारत करेगा। किसके हाथ में वह राखी बांधेगी। अपनी मां को शिवम के बारे मे हम नहीं बता पाने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं।

अब पढ़िए शिवम के पिता अमर सिंह का दर्द ३ अमर सिंह मूल रूप से कौशांबी जिले के बारा गांव के रहने वाले है। वह अपने पिता स्व राम निवाज की मौत के बाद उनकी पैतृक भूमि पर खेती किसानी कर पत्नी सरला व बेटा शिवम (14) एवं बेटी प्रिया की परवरिश करते है।

अमर सिंह ने बताया– बेटा शिवम पढ़ाई में सामान्य था, लेकिन स्पोर्ट्स में उनकी रुचि और फिर सेना में अफसर बनने के सपने को लेकर उन्होंने बेटी और बेटे को लेकर गांव से 60 किलोमीटर दूर प्रयागराज शहर के धूमन गंज भोला का पूरा में 20•40 का प्लाट साल 2004 में 4 लाख रुपए से खरीद कर घर बनवाया। पत्नी सरला गांव की देखभाल करती है, तो वह बच्चों की परवरिश व भविष्य के लिए शहर के मकान में रहते हैं।

प्रयागराज में तेज रफ्तार वाहन ने हेड कॉन्स्टेबल को रौंदा

लखनऊ हाईवे पर देर रात हुआ हादसा, फतेहपुर तैनाती स्थल से लौट रहे थे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में फतेहपुर जिले के थाना औंग पर पीआरवी ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल रमेश सिंह (57) की शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में मौत हो गई। मूल रूप से बिहार फतेहपुर के रहने वाले रमेश सिंह शांतिपुरम, फाफामऊ में परिवार के साथ रहते थे। छुट्टी के बाद घर लौटते समय नवाबगंज क्षेत्र में यह हादसा हुआ, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

शुक्रवार रात करीब 11 बजे रमेश सिंह बाइक से फाफामऊ लौट रहे थे। जैसे ही वह श्रृंगवेरपुर मोड़ पहुंचे, तभी अज्ञात

तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रमेश सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत कोहिहार ब्ब पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। वहां से रमेश सिंह की सरकारी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद कर कब्जे में ले लिए गए। हादसे के बाद शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। हादसे की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। रमेश सिंह अपने पीछे पत्नी और एकमात्र बेटे राघवेंद्र को छोड़ गए हैं।

हाईकोर्ट ने कहा– अपराध अब धुल चुका है

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2016 में पोक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज रेप के एक मामले की आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। आरोपी ने पीड़िता से श्बहुत पहलेश शादी कर ली थी। कोर्ट ने पाया कि दम्पति एक बच्चे के साथ सुखी वैवाहिक जीवन जी रहे हैं। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की पीठ ने कहा कि ष्यदि कोई अपराध था...तो वह अब समाप्त हो चुका है ष और आवेदक की दोषसिद्धि की संभावना अब ष न केवल दूर है, बल्कि धूमिल भी हो चुकी है। एकल न्यायाधीश ने आरोपी वसीउल्लाह व दो अन्य उसके रिश्तेदारों द्वारा बीएनएसएस की धारा 528 के तहत दायर अर्जी को स्वीकार करते हुए कहा, ष्मुकदमेबाजी से केवल न्यायिक समय की बर्बादी होगी, विशेषकर तब जब मुकदमेबाजी की बाढ़ अदालतों को अकल्पनीय कार्यों की बाढ़ में डुबो रही हो। आवेदक–अभियुक्त ने मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें आईपीसी की धारा 363, 366, 504, 506 और पोक्सो अधिनियम की धारा 7ध्8 के तहत आरोप शामिल थे। मामले के अनुसार जनवरी 2017 में लड़की के पिता द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी थाना – बखिरा, संत कबीर नगर का है। आरोप लगाया गया था कि उनकी नाबालिग बेटी को आवेदक बहला–फुसलाकर ले गया। पीड़िता को जनवरी 2017 में बरामद किया गया, जिसने सीआरपीसी की धारा 161 के तहत अपने बयान में कहा कि वह अपनी इच्छा से आवेदक के साथ गई थी क्योंकि वह बालिग थी। उसने आवेदक के साथ निकाह करने की भी इच्छा जताई। न्यायालय ने दर्ज किया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की फरवरी 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय पीड़िता की आयु लगभग 18 वर्ष थी। इसके बाद, आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया और मजिस्ट्रेट ने अपराधों का संज्ञान लिया। हालांकि, मुकदमे के लंबित रहने के दौरान ही आवेदक और पीड़िता ने शादी कर ली और एक ही छत के नीचे रहने लगे। अगस्त 2018 में उनसे एक लड़का भी पैदा हुआ। अंततः यह मामला हाईकोर्ट के मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र को भेजा किया गया, जहां सूचना देने वाले (लड़की के पिता) सहित सभी पक्ष पिछले महीने एक समझौते पर पहुंचे। कहा गया कि उन्हें किसी भी तरह से कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि दम्पति शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर राज्य सरकार के सरकारी वकील ने तर्क दिया कि चूंकि पीड़िता पोक्सो अधिनियम की परिभाषा के अंतर्गत एक बच्ची थी, इसलिए मामले में बाद के घटनाक्रम से अपराध को समाप्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा : 'बाद के घटनाक्रम को देखते हुए, आवेदकों द्वारा किया गया कोई भी अपराध, यदि कोई हो, अब समाप्त हो गया है। ऐसे में, आवेदकों के आपराधिक अभियोजन को लम्बा खींचने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा।' हाईकोर्ट ने वैवाहिक घर की स्थिरता के लिए भी चिंता व्यक्त की तथा कहा कि यदि अभियोजन को जारी रखने की अनुमति दी गई तो अभियुक्त और अभियोक्ता से मिलकर बना 'खुशहाल' परिवार 'टूट जाएगा'। क्योंकि अभियुक्त ने अभियोजन पक्ष की महिला से विवाह कर लिया था। न्यायालय ने कहा कि वह ऐसे तथ्यों से ष्आँखें नहीं मूंद सकताष्। परिणामस्वरूप हाईकोर्ट ने आरोप पत्र, संज्ञान आदेश और सत्र परीक्षण की संपूर्ण कार्यवाही को रद्द कर दिया।

प्रयागराज के परेड ग्राउंड में मिली लाश की हुई पहचान

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के कीडगंज थाना क्षेत्र स्थित परेड ग्राउंड में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मिले 32 वर्षीय युवक के शव की पहचान शनिवार को हो गई। मृतक का नाम प्रशांत यादव था, जो थारवई के बरातर गांव का निवासी था और शहर के कटरा इलाके में किराए पर रहकर ई–रिक्शा चलाता था। वह पिछले तीन दिनों से लापता था। परिवार के अनुसार, प्रशांत यादव (पुत्र स्व. रामबरन यादव) आठ भाइयों और एक बहन में चौथे नंबर पर थे। उनकी शादी सात वर्ष पहले हुई थी, लेकिन विवाद के चलते पत्नी एक साल बाद ही उन्हें छोड़कर चली गई थी और तब से वापस नहीं लौटी। प्रशांत अपने छोटे भाई विवेक कुमार की पढ़ाई के लिए कई वर्षों से कटरा में किराए के कमरे में रह रहे थे। भाई सुनील कुमार के अनुसार, तीन दिन पहले प्रशांत ई–रिक्शा लेकर कमरे से निकले थे, जिसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। परिवार को उम्मीद थी कि वे किसी रिश्तेदारी में गए होंगे, इसलिए तत्काल खोजबीन नहीं की गई। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक युवक का शव मिलने की जानकारी प्रसारित होने के बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। परिजनों ने शनिवार को कीडगंज थाने में शव की पहचान की। थाना प्रभारी के अनुसार, शव के मुंह से झाग निकलने के लक्षण मिले थे, जिसके चलते पोस्टमार्टम में बिसरा सुरक्षित रखा गया है। रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुरु तेग बहादुर साहिब की तपस्थली पर शहीदी समागम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में मानवता, त्याग और धर्म की रक्षा के प्रतीक सिखों के नौवें गुरु हिंद की चादर कहे जाने वाले श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत शताब्दी इस वर्ष पूरे देश और विदेश में आस्था और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। इसी क्रम में प्रयागराज में भी भव्य महान शहीदी समागम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर साहिब जी की तपस्थली माने जाने वाले गुरुद्वारा पक्की संगत अहियापुर में 23 नवंबर से 25 नवंबर तक आयोजित होगा। इतिहास के अनुसार गुरु तेग बहादुर साहिब का प्रयागराज से गहरा नाता रहा है। उन्होंने अपने जीवन के छह माह नौ दिन परिवार के साथ इसी स्थान पर तपस्या की थी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-25/57 दिनांक-21.11.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ०म०रे०, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38252870	पी यू लाइनिंग (टॉप एंड बॉटम) ऑफ कॉन्सटेन्ट कॉन्टेक्ट पॉलीयूरेथीन साईड बियरर पैड असेम्बली	18451 सेट	17.12.2025
2	38253177C	नैरो जॉव एडॉप्टर क्लास 'के' (6.5"x9")	15099 नग	15.12.2025
3	40253176	इलेक्ट्रिक रैक्टिफायर कम रेग्युलेटर यूनिट	53 नग	09.12.2025
4	40255001	ट्रांसफारमर्स ऑफ साइज़ 21.6/30.24 एमवीए	4 नग	18.12.2025
5	38251881	शाफ्ट फॉर एटीएल ऑफ बीएलसी वैगन	2389 नग	16.12.2025
6	38253231बी	कास्ट स्टील बॉल्सटर	30 नग	22.12.2025
7	60255024	हाईड्रौलिक रि-रोलिंग ईक्यूपमेंट	1 सेट	01.01.2026

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/ शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2241/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका' का विमोचन आज

प्रयागराज। वैचारिकी, साहित्यांजलि प्रज्योदि एवं लोकरंजन प्रकाशन के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनरूरविवार दिनांक 23.11.2025 को दिन में 02 बजे रवि कुमार मिश्र के कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका श का लोकापर्ण 'सारस्वत सभागारश लूकरगंज(अग्रसेन इण्टरमीडिए कालेज के बगल में), प्रयागराज में होना निश्चित हुआ है।कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवावार अब्बास एवं मुख्य अतिथि रवि नन्दन, सिंह जी होंगे । यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष प्रदीप चित्रांशी ने दी है।

जेल रोड भरत चौक प्रतापगढ़ से निकली भव्य कलश यात्रा

आयोजित होगी संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा

प्रतापगढ़। रामचंद्र जायसवाल के शुभ संयोजकत्व में भरत चौक जेल रोड पर संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आज से

आयोजन हो रहा है इसी हेतु पूर्ति के अनुक्रम में आज भरत चौक जेल रोड से मां बेल्हा देवी धाम तक कलश यात्रा निकली जिसमें स्थानीय महिलाएं व बच्चे अपने सिर पर कलश रखे माँ बेल्हा देवी तक पदयात्रा किए कलश यात्रा कथा व्यास मोहित जी महाराज की अगुवाई में निकाली गई जो जेल रोड से माँ बेल्हा देवी होकर कथा स्थल पर आकर विश्राम ली आयोजक रामचन्द्र जायसवाल जी ने बताया कि कथा सरिता का प्रवाह आज शाम 3 बजे से 7बजे होगा उन्होंने आज प्रथम दिवस की कथा में कथा श्रवण करने के लिए श्रोताओं को आमंत्रित किया आज कलश यात्रा में अशोक तिवारी कमल तिवारी सत्य प्रकाश पाण्डेय शिवम तिवारी ।पंकज रूपचंद आशीष पीयूष रचना गरिमा सुधी शेखर रवि सुधीर कल्पना हिमांशु प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

यूपी में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश, अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं... घुसपैठियों की पहचान करे अधिकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश शनिवार को जारी किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कानून–व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें।'' इसमें कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिलों में अवैध घुसपैठियों के लिए अस्थायी निरुद्ध केंद्र बनाने के निर्देश भी दिए हैं।'इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि "डिटेंशन सेंटर" में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा। उत्तर प्रदेश, नेपाल से खुली सीमा साझा करता हैं जहां दोनों देशों के नागरिक बिना रोक–टोक आ–जा सकते हैं, लेकिन अन्य देशों के लोगों पर जांच लागू होती है। योगी आदित्यनाथ ने तीन नवंबर को बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में लौटता है, तो घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाला जाएगा और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी।

गांव–देहात से लेकर शहरों तक, हर जगह एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भ्रम, अव्यवस्था और रोष

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने सरकार द्वारा लागू की जा रही एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह अव्यवस्थित, अपारदर्शी और आम जनता के लिए कष्टदायी मानते हुए गहरी चिंता व्यक्त की है। आयोग द्वारा 96.22 प्रतिशत गणना प्रपत्र (फॉर्म) बांटने का दावा किया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक नागरिकों को अब तक गणना प्रपत्र उपलब्ध ही नहीं कराए गए हैं। यह स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि सरकार और संबंधित विभागों द्वारा किये जा रहे दावों तथा वास्तविक स्थिति में भारी अंतर जैसे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है। श्री सिंह ने आरोप लगाया है कि आम लोगों को बिना किसी स्पष्ट दिशा–निर्देश के बार–बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। गरीब, मजदूर, वंचित और हाशिये पर रहने वाले वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं, जो बेवजह अपनी "पहचान" से संबंधित दस्तावेज बनवाने में समय और धन खर्च करने पर मजबूर हैं। किसी भी प्रक्रिया का उद्देश्य जनता को सुविधा देना होना चाहिए, न कि उन्हें भय, भ्रम और अनावश्यक बोझ तले दबाना।

राजधानी में खुलेंगी 14 पॉली क्लीनिक... तैनात होंगे दो–दो विशेषज्ञ, मरीजों को मिलेगा लाभ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग में अब पॉली क्लीनिक खुलवाएगा। इन क्लीनिक में एमबीबीएस की बजाय विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। क्लीनिक शुरू किए जाने को लेकर भवन का चयन विभाग के जरिये शुरू कर दिया गया है। एनएचएम से क्लीनिक संचालन के लिए बजट स्वीकृत हो गया है। अफसरों का कहना है अगले साल जनवरी तक सभी पॉली क्लीनिक शुरू होने की उम्मीद है। मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर जिले में 108 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का संचालन हो रहा है। इन केंद्रों पर एमबीबीएस डॉक्टर तैनात हैं। विशेषज्ञ न होने से मरीजों को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल जाना पड़ता है। मरीजों की समस्या को देखते हुए एनएचएम 14 पॉली क्लीनिक शुरू करने जा रहा है। हर क्लीनिक पर दो–दो विशेषज्ञ तैनात होंगे। इसमें ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, गाइनकोलॉजिस्ट, एमडी मेडिसिन, कैंसर विशेषज्ञ समेत अन्य विधा के विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। इन डॉक्टरों को हर दिन पांच हजार रुपये के हिसाब से भुगतान होगा। प्रति क्लीनिक की स्थापना के लिए करीब 10 लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत किया गया है।

सप्तम सजल महोत्सव-2025 मथुरा में प्रयागराज की डॉ0 नीलिमा मिश्रा नीलम सम्मानित हुईं

मथुरा। आर. सी. ए. कन्या महा विद्यालय, के विशाल सभागार में सजल महोत्सव 2025 संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता– साहित्यभूषण से विभूषितहिंदी के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार और हिंदी के सेवानिवृत आचार्य डा. महेश शदिवाकरश, डी.लिट(मुरादाबाद) ने की औरमुख्यअतिथि प्रो. हरीशंकर मिश्र, हिंदी आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि प्रो.राजेश गर्ग, हिंदी आचार्य–इलाहाबाद विद्यालय रहे।

इस वार्षिकोत्सव में देश के विभिन्न भागों से जुटे 150 से अधिक साहित्यकारोंध्सजलकारों को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत आचार्य प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि सजलकार सामाजिक चुनौतियों के प्रति सजग हैं तथा मानवीय मूल्यों के विस्तारण हेतु काम कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सजल विधा को प्रबन्ध ात्मक काव्य का रूप देकर इसे और भी अधिक उपयोगी बना सकते हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा के आचार्य प्रो. राजेश गर्ग ने कहा कि हर विषय पर सजलकार आज सफलतापूर्वक हस्तक्षेप कर रहा है तथा सजल के केन्द्र में मानवीय संवेदनाओं का बोध है।विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बृजबिहारी सिंह ने सजल विधा से तन–मन–धन से जुडने तथा अन्य लोगों को जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि पूरे देश में साहित्य की सजल विधा का प्रचार– प्रसार आवश्यक है।समारोह की अध्यक्षता कर रहे अन्तर्राष्ट्रीय कला मंच मुरादाबाद के संस्थापक डॉ. महेश शदिवाकरश ने सजल सृजन के साथ–साथ इसमें शोध एवं समीक्षात्मक पक्ष पर बल देते हुए आयोजन की भूरि– भूरि प्रशंसा की! संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल गहलौत ने समारोह में सजल विधा की अवधारणा एवं प्रयोजन की विस्तार से चर्चा की तथा समिति के सचिव इंजी. संतोष कुमार सिंह ने सजल सर्जना समिति की स्मारिका का

लोकार्पण कराने के साथ–साथ समिति की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री डा० नीलिमा मिश्रा नीलम के दो सजल–संग्रहों, एक नया अरुणोदय एवं भावों की सुरसरि का लोकार्पण हुआ और डॉ नीलिमा को सजल भूषण सम्मान और सजल पटल रत्न सम्मान से विभूषित किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ रेखा लोढ़ा , स्मित, भीलवाड़ा ने किया, किया! सजल विधा के प्रवर्तक और समारोह के संयोजक महाकवि डा. अनिल गहलौत जने धन्यवाद ज्ञापित किया!

नवसृजित नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ में ग्राम पंचायत के समय में बने पंचायत भवन में एसआईआर का हो रहा कार्य- आर0टी0आई0 एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट

प्रतापगढ़। क्षेत्र की सम्मानित जनता एवं सम्मानित पत्रकार बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए आर0टी0आई0 एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट वार्ड नं01 पूरे तोरई नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ ने बताया कि जिस तरह से आज नवसृजित नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के जगदीशपुर पंचायत भवन में एसआईआर का जनहित कार्य स्थानीय सभासद दशाराम पटेल जी द्वारा हो रहा है। खुशी के साथ साथ दुख इस बात का है कि इसी तरह से नवसृजित नगर पंचायत में समाहित सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों में जनहित का कार्य किया जाना

चाहिए लेकिन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की जनहित के कार्यों में निष्क्रियता की वजह से नहीं हो रहा है जबकि 26.10.2024 में जिला पंचायत राज अधिकारी प्रतापगढ़ द्वारा जिले की समस्त नवसृजित नगर पंचायतों में समाहित ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों (चल/अचल) को हस्तगत करने का सर्वोच्च प्राथमिकता आदेश दिया गया है। नगर पंचायत के जगदीशपुर के अलावा और कहीं का न तो पंचायत भवनों का संरक्षित समान संबंधित ब्लॉक से लाया गया और न ही संरक्षित किया गया। ग्राम पंचायतों के समय में बने सामुदायिक शौचालयों को सही किया गया लेकिन जनता के उपयोग में नहीं लाया गया। जनप्रतिनिधियों संबंधित अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाकर जनहित के कार्य कराने में प्राथमिकता लानी चाहिए। समाज में दिखावे की राजनीति से समाज का विकास कैसे होगा। जातिवाद पार्टीवाद से ऊपर ऊठकर जनहित का कार्य कराना मूल कर्तव्य होना चाहिए तभी हम एक अच्छे समाज विकसित समाज की परिकल्पना पूरा कर सकते हैं। परिवर्तन की सोच एवं निःस्वार्थ भागीदारी से ही हमारे समाज का समुचित विकास होगा।

भाजपाई ने एसआईआर फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं को किया दूर

मुजफ्फरनगर। गांधी कॉलोनी सभासद अमित पटपटिया एवं भाजपा गांधी कॉलोनी की टीम के द्वारा लगातार लोगों को एसआईआर फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं को दूर किया जा रहा है इसी आशय से प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक प्रतिदिन सैकड़ो लोगों के फॉर्म भरने में सहायता की जा रही है मुख्य रूप से 2003 की मतदाता सूची के आधार पर फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं का समाधान तुरंत मौके पर ही किया जा रहा है जिससे जनता में काफी प्रसन्नता है श्री मुल्क राज तगड़ा जी के नेतृत्व में कार्य कर रही इस टीम में भाजपा सेक्टर संयोजक संजीव अरोड़ा अनिल वाधवा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोड़ा सुंदर दास, विवेक चुग्घ, राजकुमार ग्रोवर,दिनेश पुंडीर हर हर्ष साहनी, मानस मलिक, पंकज तनेजा, नमन अरोड़ा आदि प्रतिदिन 2 घंटे जनता की सेवा में समय दे रहे हैं इस प्रयास की सभी मुक्त कंठ से प्रशंसा कररहे हैं। अमित पटपतिया ने क्षेत्र वासियों से अपील की है कि पहले अपने फार्म को कच्ची पेंसिल से भरे, जिससे यदि कोई त्रुटि हो जाए तो उसका सुधार किया जा सके साथ ही अपने फार्म को बिल्कुल भी ना बोले बिल्कुल सीधा रखें

नहीं तो स्कैनिंग में समस्या आ सकती है और फॉर्म निरस्त भी हो सकता है एसआईआर संबंधित किसी भी समस्या के लिए प्रतिदिन गांधी कॉलोनी गली नंबर 12 मेन रोड श्री मोहन मेडिकल स्टोर के बाहर टीम सेवाएं दे रही है, सभी क्षेत्रवासी मिशन कोच अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं।

एफएसडीए ने 1800 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा, जांच रिपोर्ट फेल होने पर नष्ट कराया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में खाद्य सुरक्षा विभाग (एफएसडीए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1800 किलो मिलावटी पनीर से लदा ट्रक पकड़ लिया। आगरा एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास संदिग्ध लगने पर वाहन को हिरासत में लेकर जांच की गई, जिसमें पनीर की गुणवत्ता फेल हो गई। इसके बाद पूरे माल को जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने शुक्रवार रात एक बड़ी कार्रवाई में 1800 किलो मिलावटी पनीर बरामद किया है। हरियाणा नंबर यूपी 81 डीटी 9356 का यह ट्रक हसनपुर से पनीर लेकर बाराबंकी जिले के दरियाबाद की ओर जा रहा था। ट्रक चालक की पहचान दिलशाद के रूप में हुई है। रात करीब दो बजे आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे स्थित टोल टैक्स के पास वाहन संदिग्ध लगने पर पुलिस और

एफएसडीए टीम ने उसे रोककर पूछताछ की। दस्तावेजों में गड़बड़ी के बाद गाड़ी को हिरासत में लेकर थाने भेजा गया। प्रारंभिक जांच में ही पनीर में मिलावट की आशंका गहरा गई। एफएसडीए टीम ने पनीर के सैंपल जांच के लिए भेजे, जिसकी रिपोर्ट शनिवार को निगेटिव आई। विभाग के मुताबिक पनीर में मानक गुणवत्ता का अभाव था और गंभीर तरह की मिलावट की पुष्टि हुई। यह पूरा माल राजधानी लखनऊ में खपाने की तैयारी में था। रिपोर्ट फेल होने के बाद प्रशासन ने पनीर को नष्ट कराने का निर्णय लिया। पारा इलाके में जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर 1800 किलो पनीर को पूरी तरह नष्ट कराया गया, ताकि यह बाजार में किसी भी रूप में न पहुंच पाए। बाजार में पनीर का औसत रेट 250–300 रुपये प्रति किलो मानें तो कुल कीमत लगभग 4.5 लाख से 5.4 लाख रुपये बैठती है। थ्वै। अधिकारियों का कहना है कि मिलावटी खाद्य सामग्री पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग अब सप्लाई नेटवर्क और स्रोत की भी जांच करेगा कि यह पनीर किन दुकानों या गोदामों में उतारा जाना था।

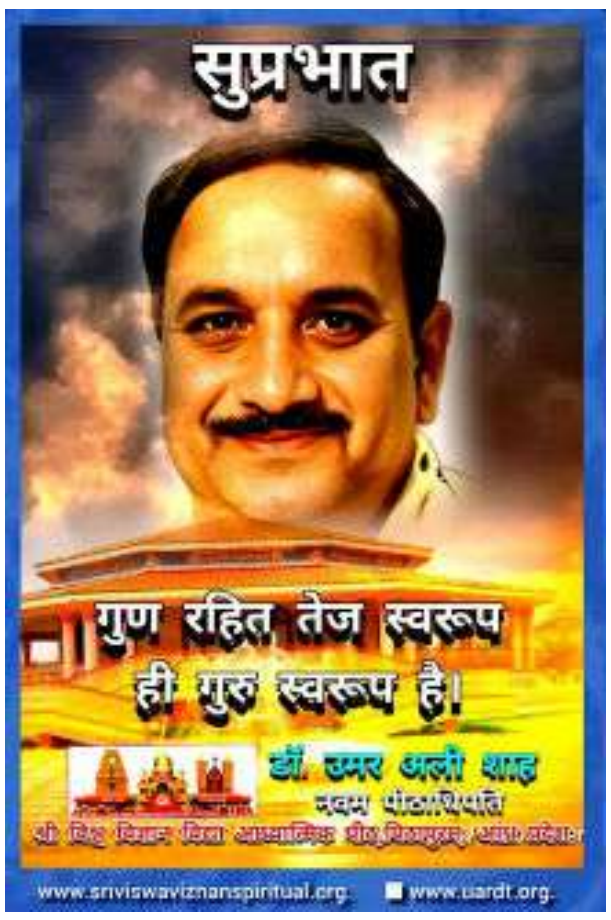

पैंसी गच्छेदार

गाँवों के हर खेत का, था जो खरपतवार।
आज चमन के फूल हैं, पैंसी गुच्छेदार।
पैंसी गुच्छेदार, प्रजाति जिसकी है संकर।
आज हुए बहुमूल्य,कभी लगते थे कंकर।
सुन लो कहें प्रदीप, खरे हैं जो वादों के।
लगते शहरी फूल, गीत हैं वे गावों के।।

वायोला अरु जंगली, हैं दो सुन्दर फूल।
जिनके संकर से हुआ, पैंसी फूल अनुकूल.
पैंसी फूल अनुकूल,पाँच पंखुरियाँ रखके।
उनमें भरकर महक, रंग भी उसमें भरते।
सुन लो कहें प्रदीप,कली ने मुँह जब खोला।
नाँचे तब जंगली,दिखा हर्षित वायोला।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बहोरिकपुर गांव में कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज। आज अनिल कुमार श्रीवास्तव, बहोरिकपुरी द्वारा अपने जन्म दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।जिसका संचालन अनिलकुमार श्रीवास्तव ने किया तथा अध्यक्षता वरिष्ठ कवि केशव सक्सेना द्वारा की गयी। इसमे मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि अष्ठ भुजा प्रसाद केसरवानी रहे।

सर्व प्रथम मां सरस्वती पर केशव सक्सेना द्वारा माला फूल चढाये गये।तत्पश्चात सभी नै मां सरस्वती पर फूल अर्पित किये गये। काव्य सम्मेलन की शुरुआत अनिल कुमार श्रीवास्तव की मां वन्दना सै प्रारम्भ की गयी ।तत्पश्चात कवि केसरवानी द्वारा पढी गया कविता–

डायबिटीज कोई बीमारी नहीं
यह।जीवन शैली का रोग है।
अनिल कुमार श्रीवास्तव ने पढा– समय बदलता है दोस्तो
कभी निराश मत होना।
केशव सक्सेना द्वारा पढा गया–
जो मां बाप की सेवा करते
वो सपूत कहलाते है।

इसके अतिरिक्त विनय यादव,एम के सिंह, दिव्या श्रीवास्तव, शशांक श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव,कुलदीप सिह पटेल, उपस्थित रहे।

इसके बाद अध्यक्ष के अध्यक्षी भाषण के उपरांत अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा सबका आभार प्रकट के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

तालाबों पर से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग

नैनी, प्रयागराजस। सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कब्जे हटाने का आदेश दिया गया है। प्रयागराज में भी जिलाधिकारी के निर्देश पर हर तहसीलों में तालाबों सहित सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में करछना तहसील के गढ़वा कला गांव के लोगों ने तालाब की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटाने के लिए जिलाधिकारी प्रयागराज से गुहार लगाई है। जिलाधिकारी को दिये गए लिखित आवेदन में ग्राम प्रधान सुभाष गुप्ता, पूर्व प्रधान दीनानाथ पाण्डेय, सहित अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कुल पांच तालाब हैं जिन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर तालाबों का अस्तित्व समाप्त कर दिया है। लोगों ने जिलाधिकारी महोदय से उक्त तालाबों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान करने की मांग की है जिससे सरकार की मंशा के अनुरूप तालाबों के अस्तित्व को बचाया जा सके।

सम्पादकीय.....

चुनौतियों वाली पारी

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार–चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट–पलट को माफ ही कर दिया। संभवतरू उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दुरूस्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु–परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया। वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे। यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी। भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी कि सबसे बड़े दल के रूप में उदय होने पर भी पार्टी बिहार में अब तक अपनी सरकार नहीं बना पायी है। ऐसे में नीतीश को बाहरी विपक्षी से तो नहीं, गठबंधन के दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जूझना पड़ेगा। वहीं प्रचंड बहुमत देने पर जनता की उम्मीदें भी उफान पर रहेंगी। राजग द्वारा चुनाव के दौरान तमाम वायदे किए गए थे, लेकिन राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर इन सब वायदों को पूरा करना आसान न होगा। वहीं दूसरी ओर नीतीश के सामने उनकी सेहत और बढ़ती उम्र को लेकर भी चुनौती पैदा हो सकती है। जिसको लेकर विपक्ष पूरे चुनाव अभियान के दौरान लगातार हमलावर बना रहा है। साथ ही बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस हजार रुपये लगातार दे पाना भी परेशानी का सबब बन सकता है। वहीं गठबंधन सरकार के लिए चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन द्वारा किए गए मुफ्त अनाज, मुफ्त बिजली,मुफ्त इलाज,सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने तथा पचास लाख पक्के मकान के वायदे को हकीकत में बदलने को वित्तीय संसाधन जुटाना भी एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

आतंकवाद की ओर जा रहे हैं कुछ डाक्टर

डॉ. दीपक पाचपोर

मैडिसिन के डाक्टर हमेशा से हमारे कामों की लिस्ट में सबसे ऊपर रहे हैं, जिनकी इस दुनिया में हर इंसान तारीफ करता है। ऐसा कोई इंसान नहीं है जिसे अपनी जिंदगी में कभी न कभी डाक्टर की जरूरत न पड़ी हो। डाक्टरों को नेक इंसान माना जाता है जो दूसरे इंसानों को जिंदा और ठीक रखने की फिक्र करते हैं। 10 नवंबर,2025 को दिल्ली में लाल किले के पास मैट्रो स्टेशन के बाहर हुए धमाके में 13 आदमी मारे गए और कई आदमी और औरतें घायल हो गई, यह न सिर्फ हमारी मजबूत सरकार के लिए बल्कि हमारे देश के आम लोगों के लिए भी एक बड़ा झटका था। पाकिस्तान में मौजूद जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े एक टैरर मॉड्यूल का पता चला। गिरफ्तार किए गए ज्यादातर लोग डाक्टर हैं। इसमें इतनी हैरानी की क्या बात है? आम आदमी ऐसे टैरर मॉड्यूल की कल्पना भी नहीं कर सकता जिसमें एक डाक्टर भी शामिल हो। अब उसे बताया जा रहा है कि इस खास मॉड्यूल में ज्यादातर डाक्टर हैं जो सभी इस्लाम को मानते हैं लेकिन जम्मू–कश्मीर, हरियाणा और बंगाल जैसे अलग–अलग राज्यों से हैं। सिर्फ सबसे होशियार स्टूडैंट ही मैडिकल कॉलेज में सीट पक्की कर सकते हैं। पढ़ाई साढ़े 5 साल की होती है और अगर स्टूडैंट मैडिसिन की किसी भी ब्रांच में स्पैशलाइज करना चाहता है तो उसे 2 साल या उससे ज्यादा और लगेंगे, जिसके बाद जरूरी स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए हॉस्पिटल में इंटर्नशिप करनी होगी। जिन डॉक्टरों ने अपनी जवानी के सबसे अच्छे साल ऐसी जिंदगी की तैयारी में बिताए हैं जो दूसरों को जिंदा रहने में मदद करती है, वे अपना मकसद क्यों छोड़कर सिर्फ सत्ता में बैठे लोगों को मैसेज देने के लिए बेगुनाह लोगों को मारने और घायल करने पर उतर आएं? इसका जवाब पिछले कुछ सालों में खोजे गए दूसरे टैररिस्ट मॉड्यूल में मिल सकता है। अभिनव भारत एक अकेला मॉड्यूल था जो हैरानी की बात है कि ज्यादातर कम्युनिटी में घुसा हुआ था, जिसे महाराष्ट्र के एंटी–टैररिस्ट स्क्वॉड ने खोजा था। पॉलिटिकल फील्ड में फायदेमंद पोजीशन वाले लोगों में भी जो गहरा गुस्सा था, उसे हमें अपने मन की आंखों में, उन लोगों तक पहुंचाना होगा जो इस समीकरण के शिकार थे। जब भारत के इकलौते मुस्लिम– बहुल राज्य को राज्य का दर्जा नहीं दिया गया और उन लोगों ने उसे कमतर दर्जा दिया, जिन्हें उसका सैक्युलर और बराबरी के रैंक में स्वागत करना चाहिए था, उसे बुरी तरह याद दिलाया गया कि उस पर कभी भरोसा नहीं किया जाएगा तो दुश्मनी और नफरत को पनपने के लिए जमीन तैयार हो गई। मोदी–शाह की जोड़ी का मजबूत गवर्नेंस मॉड्यूल जम्मू–कश्मीर में अपने तख्तापलट की शेखी बघारता रहा। राज्य में और ज्यादा सैनिक और पैरा–मिलिट्री भेजी गई, इस उम्मीद में कि बॉर्डर पार से आतंकवाद और कश्मीरियों के बीच अलगाववादी तत्व बेअसर हो जाएंगे। शुरू में ऐसा सरप्राइज फैक्टर की वजह से हुआ। राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी ने इस मुश्किल और हमेशा रहने वाली हिंदू–मुस्लिम समस्या को बहुत सोच–समझकर और बारीकी से सुलझाया था। उन्होंने पूर्व रॉ चीफ ए.एस. दुलत पर भरोसा किया, जिन्होंने फारूख अब्दुल्ला के साथ पक्की दोस्ती की थी। अब्दुल्ला परिवार ही काफी हद तक कश्मीरी मुसलमानों के भारत के साथ अपने मुस्लिम–बहुल पड़ोसी पाकिस्तान के साथ इलाके के झगड़े में साथ देने के लिए जिम्मेदार रहा है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार कुछ और ही सोचती थी। उसने कश्मीरी मुसलमानों को दबाने के लिए आक्रामकता का इस्तेमाल करने का फैसला किया और अपने ही वोटरों को यह साबित करने का फैसला किया कि वह कांग्रेस और यहां तक कि वाजपेयी की भाजपा सरकार के उलट एक मजबूत और ताकतवर सरकार है। ऐसा तरीका शायद ही कभी काम करता है। अगर वहां के लोग भाईचारे की उम्मीद को पसंद नहीं करते हैं तो भारतीय सरकार या कोई भी राज्य हथियारों के बल पर राज नहीं कर सकता। ऐसी जगहों पर आतंकवाद पनपता है। लाल किले में हुए धमाके के कुछ मुख्य साजिशकर्ता साऊथ कश्मीर के पहलगाम से हैं, जहां पहले से बदनाम आई. एस.आई. के प्लान किए गए आतंकी हमले की खबर आई थी। 'ऑप्रेशन सिंदूर' हमारा कामयाब जवाब था। हमारी एयर फोर्स और सपोर्टिंग ग्राऊंड फोर्स ने हमारे पड़ोसी के इलाके में आतंकियों के कई ठिकानों को खत्म करके अपना काम ठीक से किया। बदकिस्मती से, हमारे प्राइम मिनिस्टर अपना जोश रोक नहीं पाए और खुलेआम धमकी दी कि अगर हमारे पड़ोसी ने कभी बॉर्डर पार अपने आतंकी शागिर्दों को भेजने की हिम्मत की तो वे 'ऑप्रेशन सिंदूर' दोहराएंगे। न तो लडने वाले पड़ोसी और न ही दुनिया की बड़ी ताकतें इंडियन सब–कॉन्टिनैंट में कभी न खत्म होने वाली दुश्मनी के नतीजों को मान पाएंगी। 10 नवंबर को लाल किले के बाहर दिल्ली में हुए धमाके के बाद, यू.एस. सैक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने शायद बिना कोई कीमती समय बर्बाद किए दिल्ली में अपने समकक्ष से बात की। उन्होंने अगले ही दिन एक बयान जारी कर भारत के 'सोचे–समझे जवाब' और देश के अंदर आतंकी मॉड्यूल की पहचान करने में हमारी कामयाबी की तारीफ की। उन्होंने देश के कानून के हिसाब से आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए अपने देश का सपोर्ट जताया। उनके बयान की लाइनों के बीच यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने एक और 'ऑप्रेशन सिंदूर' के खिलाफ भी सलाह दी। जो मॉड्यूल मिला है, उसने पूरे भारत में और भी कई हमलों की प्लानिंग की थी। इसके जाल हरियाणा और अल–फलाह यूनिवर्सिटी से बहुत आगे तक फैले हुए थे, जहां यह पनप रहा था। कम से कम एक बड़ा काम तो अभी हो गया है क्योंकि 8 छोटे मॉड्यूल को खत्म कर दिया गया है लेकिन आने वाले समय में भी लड़ाई जारी रहेगी। भारत के दो बड़े समुदायों के बीच अविश्वास और गलतफहमी तब से है जब से इस्लामिक सेनाएं हिंदू कुश के रास्ते सब–कॉन्टिनैंट में आई हैं और मैं कह सकता हूं कि यह दुश्मनी इतनी जल्दी खत्म नहीं होगी।

चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ

शकील अख्तर

सात अगस्त 2025 को भारतीय राजनीति में एक अभूतपूर्व घटना हुई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर 1 घंटे 11 मिनट तक कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 22 पन्नों का प्रजेंटेशन दिया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि इस सीट पर 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है। कांग्रेस के शोध में यहां एक लाख के करीब गलत पते और एक ही पते पर थोक मतदाताओं और नकली मतदाताओं का पता चला। जिसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में मतदाता सूची में हेर फेर करके भाजपा ने चुनाव जीता है, यह आरोप तो विपक्ष पहले से लगा रहा था। लेकिन यह पहली बार था जब किसी एक सीट का इस तरह पूरा कच्चा–चिठ्ठा मीडिया के जरिए देश के सामने रखा था। राहुल गांधी के इस खुलासे के फौरन बाद ही चुनाव आयोग ने इस पर फेक और मिसलीडिंग यानी फर्जी और भ्रामक होने का ठप्पा तो लगा दिया, साथ ही एक प्रेस कांफ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा पेश करने कहा था। जबकि राहुल गांधी का कहना था कि वे कोई हलफनामा पेश नहीं करेंगे, उन्होंने अपनी बात सबूतों के साथ रखी है, अब दारोमदार चुनाव आयोग पर है कि वह इसे या तो गलत साबित करे या फिर अपनी गलती माने। लेकिन चुनाव आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया। अगस्त के बाद सितम्बर और इसी महीने की 4 तारीख को राहुल गांधी ने दो और प्रेस वार्ताएं की और उन दोनों में फिर से इसी तरह की मतदाता सूची की गड़बड़ी को दिखाया, जिसके बूते भाजपा ने चुनाव जीता। राहुल गांधी केवल मुंहजबानी आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि सबूतों के साथ उसे मीडिया के सामने रख रहे हैं। अपनी तीनों प्रेस वार्ताओं में राहुल मंच पर अकेले ही थे और पत्रकारों को खुला अवसर दिया गया कि वे राहुल गांधी से प्रश्न–प्रतिप्रश्न करें, उन पर तीखे सवाल दागें, उन पर आरोप लगाएं कि कांग्रेस कई राज्यों में हार चुकी है, इसलिए ऐसे आरोप लगा रही है। यानी पत्रकारों के पास पूरा मौका था कि वे अपने सवालों से राहुल गांधी को ऐसा घेरें कि उन्हें जवाब देना मुश्किल हो जाए। लेकिन ऐसा एक ही सूरत में हो सकता है जब राहुल गांधी के पास कोई जवाब न हो, या अपने बचाव में सामने रखने के लिए तथ्य न हों। आंकड़ें, तथ्य और सबूत तीनों से लैस होकर ही राहुल गांधी ने पत्रकारों का सामना किया, इसलिए अब तक किसी ने भी उन्हें गलत साबित नहीं किया। जबकि भाजपा ने चुनाव आयोग पर लगते हर आरोप पर आगे बढ़कर सफाई दी और इसमें राहुल गांधी पर निशाना साधा कि वे संवैधानिक संस्था को बदनाम कर रहे हैं।अब भाजपा का परोक्ष साथ देते हुए 272 लोगों का एक खुला खत सामने आया है। खुद को नागरिक समाज यानी सिविल सोसाइटी का नुमांइदा बताने वाले इस खत के हस्ताक्षरकर्ताओं में सेवानिवृत्त जज, नौकरशाह, सैन्य अधिकारी शामिल हैं। खत में कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार–बार सवाल उठाने से जनता का भरोसा कमजोर होता है और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है। इस खुली चिठ्ठी में लिखा है कि पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाए गए, और अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह एक श्खतरनाक चलनश बन गया है, जिसमें चुनावी हार को छिपाने के लिए संस्थाओं की साख पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर श्वोट चोरीश का आरोप लगाया, उसे श्गद्दारश तक कहा और अधिकारियों को धमकाया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कोई आधिकारिक शिकायत या हलफनामा पेश नहीं किया। यह सिर्फ श्राजनीतिक नाराजगीश है, जिसका कोई ठोस आधार नहीं है। जब विपक्षी पार्टियां जीतती हैं, तब चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं लगता, लेकिन हार मिलते ही आयोग को दोषी ठहराना शुरू हो जाता है। यह श्राजनीतिक अवसरवादश है। चिठ्ठी में लिखा है कि टीएन शेषन और एन गोपालस्वामी जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग को बेहद मजबूत और निष्पक्ष संस्था बनाया है, इसलिए आज उस पर बेबुनियाद हमले लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक हैं। इस चिठ्ठी में अपील की गई है कि सभी भारतीय चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखें। फर्जी वोटर, गैर–नागरिक और अवैध प्रवासियों को वोटर लिस्ट से बाहर रखना देश की सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों के लिए जरूरी है।इस खुली चिठ्ठी की सामग्री, उसकी भाषा और चयनित तरीके से राहुल गांधी पर हमला बोलना दिखा रहा है कि हस्ताक्षर करने वाले भले ही सेवानिवृत्त लोग रहे हों, लेकिन यह सब भाजपा के दिशा–निर्देश पर हो रहा है। वैसे सवाल है कि इन सेवानिवृत्त लोगों को केवल राहुल गांधी के आरोप ही क्यों दिख रहे हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाय कुरैशी, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, प्रशांत भूषण, परकला प्रभाकर (निर्मला सीतारमण के पति) समेत कई और लोगों ने चुनाव आयोग पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के अलावा आरजेडी, टीएमसी, सपा, वामदल, डीएमके, शिवसेना, एनसीपी ने भी मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। तो फिर अकेले राहुल गांधी को क्यों गलत दिखाया जा रहा है कि वे देश का नुकसान कर रहे हैं। वैसे तो चुनाव आयोग को खुद इतना सक्षम होना चाहिए कि वह अपने ऊपर लग रहे आरोपों को गलत साबित करे और उनका माकूल जवाब दे। लेकिन यहां कभी भाजपा और कभी ऐसे सिविल सोसाइटी के नुमाइंदे आयोग की ढाल बन कर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने जब भी वोट चोरी के आरोप लगाए तो उन्हें कहा गया कि अपनी शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं जाते। क्या यही बात यहां सिविल सोसाइटी के इन लोगों को नहीं कही जानी चाहिए कि आप पीआईएल दायर करिए।

फिर अदालत ही तय करेगी कि किसकी रक्षा किससे करनी है। वैसे इन सेवानिवृत्त लोगों को हमारी सलाह है कि दिल्ली का प्रदूषण, ट्रेनों की बदहाली, एसआईआर के काम में कथित बोझ से आत्महत्या करते बीएलओ, आतंकवाद, घुसपैठ, असुरक्षित महिलाएं और न जाने कितने तरह की समस्याएं देश में हैं, जिनका समाधान हो तो देश का वाकई भला हो जाए। क्यों न इन्हें अपना अनुभव, शक्ति और सामर्थ्य वहां लगाना चाहिए। ताकि नौकरी के साथ भी और नौकरी के बाद भी देशसेवा का जज्बा बना रहे।वैसे इस चिठ्ठी के बाद अब 175 प्रमुख हस्तियों ने बिहार चुनाव, चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर खुला पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया, हम देश के नागरिक पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह, मुक्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करते हैं। हम बिहार चुनाव परिणाम को धोखाधड़ी मानते हैं और विपक्ष से भी यही मांग करते हैं कि वह इन परिणामों को स्वीकार न करे।

भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता बना कांग्रेस की हार का कारण

योगेन्द्र योगी

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की विशेष अदालत ने पिछले महीने आई.आर.सी.टी.सी. होटल घोटाला मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। सी.बी.आई. के अनुसार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव के अलावा राज्यसभा सदस्य प्रेमचंद गुप्ता, उनकी पत्नी सरला गुप्ता, आई.आर.सी.टी.सी. अधिकारियों, कोचर ब्रदर्स समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए थे। यह खबर पूरे देश में पढ़ी–सुनी गई। यदि किसी ने नहीं देखी तो वह है कांग्रेस पार्टी ने। कांग्रेस ने लालू यादव के भ्रष्टाचार और जंगलराज के अन्य मामलों की तरह इसे भी नजर अंदाज कर दिया। कांग्रेस यह भूल गई कि यदि ऐसे मामलों की अनदेखी की गई तो मतदाता भी उसे भूल जाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में यही हुआ। मतदाता भूल गए कि कांग्रेस भी एक राष्ट्रीय और प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने सत्ता के लिए भ्रष्टाचार से समझौता किया। मतदाताओं ने कांग्रेस के इस रवैये को मतों से ठुकरा दिया। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस ने पिछली गलतियों से जरा भी सबक नहीं सीखा। भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था आज भी देश में प्रमुख मुद्दा है। विकास और दूसरे मुद्दे इसकी नींव पर खड़े होते हैं यदि नींव ही कमजोर होगी तो विकास की इबारत नहीं लिख पाएगी। कांग्रेस ने बिहार में लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए समझौता कर अपने पैरों पर फिर से कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। कांग्रेस को बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों में से मात्र 6 सीटें मिलीं। इस शर्मनाक हार की जिम्मेदार खुद कांग्रेस है। कांग्रेस अब इस जिम्मेदारी से भागने के लिए फिर से वही पुराना वोट चोरी, सरकारी मशीनरी के चुनाव में दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। अभी भी कांग्रेस इस सच्चाई का सामना करने को तैयार नहीं है कि उसने एक महाभ्रष्ट लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से सीटों का समझौता करके भारी भूल की है। बिहार के मतदाताओं ने इन दोनों दलों को तगड़ा सबक सिखाया है। कांग्रेस ने आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे लालू परिवार के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का गलत निर्णय लिया। यह जानते हुए भी कि मतदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपराधी परिवार के साथ चुनावी तालमेल की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ गई। भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू यादव के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और जंगलराज को प्रमुख मुद्दा बनाया। कांग्रेस इसके बचाव में कोई दलील देकर मतदाताओं को संतुष्ट नहीं कर सकी। बिहार में चुनाव हो और चारा घोटाले से जुड़ी कहानियां सामने न आएं, ऐसा हो ही नहीं सकता। ये घोटाला ही ऐसा था कि 30 साल बाद भी लोग इसके बारे में बात करते हैं और जानने की चाहत रखते हैं। कांग्रेस ने 950 करोड़ रुपए के घोटाले में अपने प्रमुख सहयोगी और राजद प्रमुख लालू प्रसाद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए पर्दे के पीछे से राजनीतिक चालें चलीं लेकिन वे असफल रहीं। वर्ष 1990–96 के दौरान सामने आया चारा घोटाला बिहार पशुपालन विभाग में हुआ। यह घोटाला मुख्य रूप से 1990 के दशक में हुआ। इस समय लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। भ्रष्टाचार के ऐसे ढेरों मामलों के अलावा कांग्रेस लालू यादव के शासन के दौरान जंगल राज को भूल गई। लालू राज के दौरान अपराध की घटनाओं में वृद्धि हुई। अपहरण (किडनैपिंग) की वारदातें बढ़ीं। सड़क पर बढ़ती असुरक्षा भी इसमें शामिल थी। गुंडागर्दी और बाहुबल का प्रभाव था। कई जगह दबंगों और बाहुबली नेताओं का वर्चस्व था। प्रशासन पर राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोप लगे थे। अर्थव्यवस्था और विकास में गिरावट आंकी गई थी। उद्योग, शिक्षा और बुनियादी ढांचे की स्थिति कमजोर हुई थी। बिहार को देश के 'सबसे पिछड़े राज्यों' में गिना जाने लगा था। वर्ष 1992 से 2004 तक, अपहरण के कुल 32,085 मामले दर्ज किए गए थे। ऐसे कितने मामले दर्ज नहीं किए गए। बिहार पुलिस की वैबसाइट के अनुसार, 2001–2005 के बीच हत्याओं की संख्या 20,000 के करीब है। 90 के दशक में स्थिति का सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। बिहार में दूसरा जंगलराज चुनावों में होने वाली हिंसा, बूथ कैप्चरिंग और धांधली से जुड़ा था, जिसका अंत भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन.शेषन ने अपने कड़े चुनाव सुधारों से किया था। टी.एन.शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त 1990–1996 तक थे, तब उन्होंने इस सिस्टम को बदलने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए थे। बिहार में इन सुधारों का प्रभाव सबसे ज्यादा दिखा। इस दूसरे वाले जंगलराज में बदमाशों या

राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा पूरे बूथ पर कब्जा करना, वोटिंग मशीन–बैलेट पेटी उठा ले जाना या खुद वोट डाल देना, वोटरों को धमकाना या बूथ से भगा देना। जैसी चीजें शामिल थीं। कांग्रेस यदि गंभीर होती तो अपने शासित राज्यों में किसी एक का उदाहरण देकर मतदाताओं को विश्वास दिला सकती थी कि वह भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरैंस की नीति पर अमल करती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजद जैसे दागदार क्षेत्रीय दलों की तुलना वह एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी है। सिर्फ एक राज्य में सत्ता के लिए भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से समझौता करने की भारी कीमत पूरे देश में चुकानी पड़ सकती है। यही कीमत दूसरे राज्यों के अलावा अब कांग्रेस ने बिहार में चुकाई है।

रुही सिंह हुई इमोशनल

छलक पड़े आंसू, बोलीं- पापा में मेरी जान बसती है, मां से मिलती है इंस्पिरेशन

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता–पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं। पेश है रुही सिंह से हुई बातचीत के कुछ प्रमुख अंश। सवालरू श्मस्ती 4श आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?जवाबरू जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।सवालरू आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?जवाबरू यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।सवालरू शूटिंग के दौरान आपका सबसे यादगार पल कौन–सा रहा?जवाबरू पूरी फिल्म की शूटिंग ही यादगार थी। मैं हर सीन को बहुत सीरियसली लेती थी, यहां तक कि कॉमेडी में भी। रात–रात भर अपनी लाइन्स पर मेहनत करती थी। फिर मेरी मम्मी ने कहा कि थोड़ा एन्जॉय भी करो। बाद में जब हम सब ने रितेश जी की पत्नी जेनेलिया मैम का बर्थडे सेट पर सेलिब्रेट किया, तो वो पल बहुत खास लगा।सवालरू आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?जवाबरू मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी।मेरे नानाजी इंडियन आर्मी में थे। उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया। मैंने उन्हें बताया कि मैं पॉप स्टार बनना चाहती हूं। नानाजी ने मुझे अपनी कार में ले जाकर गिटार और सिंगिंग क्लासेस ज्वाइन करवाईं और मेरा हर उस काम में समर्थन किया, जिसे मैं करना चाहती थी। मैंने स्कूल से ही पेजेंट्स और स्टेज पर हिस्सा लेना शुरू किया और हर बार चुन ली जाती थी।मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।सवालरू तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया? जवाबरू मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया।मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग–अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।सवालरू क्या आपका सिंगिंग का शौक खत्म हो गया?जवाबरू नहीं, अभी भी शौक है। मैं थोड़ी और फेमस होने के बाद अपना गाना जरूर गाऊंगी। मेरा सपना है कि एक दिन इंटरनेशनल एल्बम बनाऊंगी।सवालरू जब मुंबई आप आईं, तो किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा? जवाबरू जब मैं मुंबई आई, तो यह शहर मेरे लिए नया और मुश्किल था। लोग अलग तरह के थे, लेकिन मैंने धैर्य रखा। कई लोगों ने मुझे समर्थन दिया, लेकिन कुछ ने कहा कि मैं सफल नहीं हो पाऊंगी। पर मैं कभी हार नहीं मानती क्योंकि मुझे विश्वास है कि मैं कर सकती हूं। अभी भी मैं इस इंडस्ट्री को समझने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मैं अकेले अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए पूरी कोशिश कर रही हूं।सवालरू पहला ऑडिशन याद है?जवाबरू नहीं, पहला याद नहीं, बहुत ऑडिशन दिए हैं। ज्यादातर में चयन नहीं हुआ, खासकर ऐड के लिए। आराम नगर में रोज एक नया ऑडिशन होता था। कई बार रिजेक्शन मिला, पर वही सबसे बड़ी सीख बनी। एक दिन उदास हो लो, पर अगले दिन फिर उठो। खुद को संभाला, खुद को ही मोटिवेट किया।सवालरू मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी? जवाबरू मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।सवालरू फिल्म श्कैलेंडर गर्ल्सश रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?जवाबरू मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे– 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा। सवालरू इंडस्ट्री से क्या रिएक्शन मिला? जवाबरू इंडस्ट्री के जिन लोगों ने फिल्म देखी, उन्हें मेरा काम अच्छा लगा। लेकिन जैसे सोचते हैं कि फिल्म के बाद बहुत सारे ऑफर आ जाएंगे, वैसा नहीं हुआ। सवालरू आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं? जवाबरू क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है।

इंडियन टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी की थी. शादी के बाद उनका एक बेटा भी हुआ. हालांकि पिछले साल जनवरी में सानिया और शोएब ने तलाक लेकर अपने रास्ते अलग कर लिए. अब बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान ने खुलासा किया है कि शोएब से तलाक के बाद सानिया को पैनिक अटैक आते थे. इस दौरान फराह ने सिंगल मदर होने के लिए उनकी तारीफ भी की.सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट श्सर्विंग इट अप विद सानियाश पर फराह खान पहुंचीं. उन्होंने सानिया के सिंगर मदर होने को लेकर कहा– श्अब आप एक सिंगल मदर हैं. मुझे लगता है कि सिंगल मदर होने से ज्यादा मुश्किल कुछ नहीं है. आपके लिए ये अकेले करना, क्योंकि आपको काम भी करना होगा और अपने पति को अपना समय भी देना होगा.श्मैं कांप रही थीं...श, शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया मिर्जा का हो गया था ऐसा हाल, आते थे पैनिक अटैक फराह खान ने की सानिया मिर्जा की तारीफफराह खान ने इस दौरान उन्होंने सानिया मिर्जा के तलाक के बाद के दौर के बारे में बात की. कोरियोग्राफर ने कहा– श्मैंने आपको आपके सबसे बुरे दौर से गुजरते देखा है, लेकिन जब से मैं आपको जानती हूं, मैंने आपके सबसे अच्छे और सबसे बुरे दौर को भी देखा है और मुझे लगता है कि आपने दोनों को बराबरी से अच्छी तरह से संभाला है.श इस पर सानिया ने कहा– श्ये बहुत मुश्किल है और हम सभी की अपनी जर्नी हैं और हम सभी को ये चुनना होगा कि क्या सबसे अच्छा है.श्मैं कांप रही थीं..., शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया मिर्जा का हो गया था ऐसा हाल, आते थे। पैनिक अटैक श्मैं कांप रही थी और अगर... सानिया आगे कहती हैं– श्मैं कैमरे पर इसका जिक्र नहीं करना चाहती, लेकिन एक पल ऐसा था जो मेरे सबसे निराशाजनक पलों में से एक था, जब आप मेरे सेट पर आईं और उसके बाद मुझे एक लाइव शो में जाना था. अगर आप वहां नहीं आतीं. मैं कांप रही थी और अगर आप वहां नहीं आतीं, तो मैं वो शो नहीं करती, आपने मुझसे कहा था कि चाहे कुछ भी हो, तुम ये शो कर रही हो.श्मैं कांप रही थीं..., शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया मिर्जा का हो गया था।

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। हाल ही में फिल्म को लेकर एक सक्सेस पार्टी रखी गई, जिसमें कई सेलेब्स पहुंचे।एक्टर विजय देवरकोंडा भी पार्टी में मौजूद थे। इस पार्टी का रश्मिका और विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में विजय रश्मिका को बधाई देते हैं और बाद में उन्होंने एक्ट्रेस के हाथ पर किस किया।इस वीडियो के सामने आने पर कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि विजय ने पब्लिकली अपने और रश्मिका के रिश्ते को कन्फर्म कर दिया है।बता दें कि अक्टूबर के महीने में एम9 न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रश्मिका और विजय ने सगाई कर ली है। यह सगाई दोनों परिवारों और कलाकारों के केवल करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई थी।हाल ही में इंडिया टुडे की रिपोर्ट में विजय के एक करीबी सूत्र ने बताया था कि कपल अगले साल शादी करने कर रहा है। सगाई के बाद कुछ ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें दोनों अपनी–अपनी इंगेजमेंट रिंग्स दिखाते हुए नजर आए हैं। विजय और रश्मिका लंबे समय से एक–दूसरे के करीब हैं हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया और न ही सार्वजनिक रूप से इसके बारे में बात की।रश्मिका मंदाना का फिल्म का करियररश्मिका मंदाना ने 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

दे दे प्यार दे 2 का दबदबा जारी, 8वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़, कमाई 53 करोड़ पार

दे दे प्यार दे 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन दिन 8रू 2019 की फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल शुक्रवार, 14 नवंबर को थिएटर में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर इसकी अच्छी शुरुआत हुई है। महामारी के बाद के माहौल को देखते हुए, रोमांटिक कॉमेडी फिल्में शायद ही कभी बड़ी ओपनिंग देती हैं। फिल्म ने 8.75 करोड़ रुपये से शुरुआत की और अपने पहले वीकेंड में इसकी कमाई में बढ़ोतरी देखी गई। इसके बाद के दिनों में, पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म ने लगातार रफ्तार बनाए रखी। फिल्म की सफलता पर 120 बहादुर और मस्ती 4 जैसे नए कॉम्पिटिटर का असर पड़ सकता है, क्योंकि इसके डिस्ट्रीब्यूशन का पहला हफ्ता खत्म हो रहा है। अजय देवगन स्टारर इस रोमांटिक कॉमेडी ने रिलीज के पहले वीकेंड में 30 करोड़ रुपये से भी कम कमाए। सोमवार की गिरावट सबसे बड़ी फिल्मों के लिए सबसे स्वाभाविक है, इसलिए सोमवार की कमाई 4.25 करोड़ रुपये, या लगभग 60प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया गया था। यह ध्यान देने वाली बात है कि मंगलवार को यह आंकड़ा कुछ बढ़कर 5 करोड़ रुपये हो गया, शायद टिकट की कीमतें कम होने की वजह से। बुधवार को 3.5 करोड़ रुपये और गुरुवार को 3.35 करोड़ रुपये की कमाई हुई। फिल्म ने अपने आठवें दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए। अपनी रिलीज के पहले दिन, नई फिल्मों मस्ती 4 और 120 बहादुर ने भी 2 से 3 करोड़ रुपये कमाए। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह स्टारर इस फिल्म ने अपने आठवें दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए, जिससे नेट टोटल 53.50 करोड़ रुपये हो गया। शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025 को इसकी कुल हिंदी ऑक्यूपेंसी 15. 12प्रतिशत थी, जिसमें सुबह के शो 7.18:, दोपहर के शो 11.89प्रतिशत और शाम के शो 14.61प्रतिशत तक बढ़ गए। रात के शो में दर्शकों की संख्या बढ़कर 26. 80प्रतिशत हो गई। अंशुल शर्मा ने फिल्म के डायरेक्टर के तौर पर काम किया, जबकि लव रंजन और तरुण जैन ने स्क्रीनप्ले किया। आयशा का रोल रकुल प्रीत सिंह ने किया है, जबकि राजजी का रोल आर. माधवन ने किया है। एक बार फिर, अजय देवगन ने आशीष का किरदार निभाया है। इसके अलावा, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी, मीजान जाफरी, इशिता दत्ता और जानकी बोडीवाला सपोर्टिंग किरदारों में हैं। पूरी कास्ट ने बहुत अच्छा काम किया है, और लोग सोशल मीडिया पर लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं। कॉमेडी, ड्रामा और फीलिंग्स का कॉम्बिनेशन कुछ ऐसा है जिससे दर्शक खुद को जोड़ पाते हैं।

अच्छे से ब्रश करने पर भी दांत हैं पीले? यहां जानिए कारण

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके दांत सफेद हो। सफेद दांत ही चेहरे की खूबसूरती पर चार चांद लगता है। सफेद दांतों से पर्सनालिटी खिलती और हंसते हुए चेहरे पर अलग ही नूर दिखता है। लेकिन कई लोग अच्छे से रेगुलर ब्रश करने के बाद भी पीले दांत से निजात नहीं मिलती, तो उसके पीछे ये वजहें हो सकती हैं....

दातों के पीलापन की ये हो सकती है वजह

पोषण की कमी

छोटे बच्चों में अक्सर पीले दांतों की समस्या नजर आती है। इसका सबसे बड़ा कारण न्यूट्रिशन की कमी हो सकती है। पोषण की कमी के कारण दांतों के एनामेल का ठीका से विकास नहीं हो पाता है और दांतों पर स्ट्रेन और पीलापन नजर आने लगते हैं। उम्र बढ़ने के साथ– साथ दांतों से एनामेल हटने लगता है और उसके नीचे की पीली डेंटिन नजर आने लगती है, जिससे दांतों पर पीलापन नजर आने लगता है।

स्मोकिंग या टैबको

स्मोकिंग और टैबको की आदत भी दांतों के पीलेपन का बड़ा कारण होती है। सिगरेट पीने या टैबको चबाने के कारण दांतों पर धीरे– धीरे पीली परत चढ़ने लगती है। इससे साफ करना आसान नहीं होता है। कुछ ड्रग्स भी दांतों के पीलेपन का कारण हो सकते हैं। इसमें हाई ब्लड प्रेशर की दवा और एंटीबायोटिक्स शामिल है।

टी, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक ज्यादा पीने से

जिन लोगों को चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक पीने की बहुत ज्यादा आदत होती है, उससे सफेद दांतों को बहुत नुकसान पहुंचता है। चाय और कॉफी के कलर से दांतों के सफेद रंग को नुकसान होता है। सोडा में ऐसे कैमिकल्स होते हैं, जो एनामेल को हार्म पहुंचाते हैं।

अन्य बीमारियां भी हो सकती है वजह

कैल्शियम की कमी और कुछ बीमारियों के कारण भी दांतों में पीलापन आ जाता है। मसूड़ों में इंफेक्शन के कारण होने वाले जिंजीवाइटिस से भी दांत पीले नजर आने लगते हैं। ओरल बीमारियों और लीवर संबंधी बीमारियां के कारण भी दांतों पर पीलापन नजर आता है।

सर्दियों में मॉर्निंग वॉक के दौरान हॉर्ट पेशेंट न बरते लापरवाही, जानिए कैसे रखें दिल की सेहत का ख्याल

सर्दियों के मौसम में सुबह जल्दी उठाना काफी मुश्किल होता है। लेकिन जो फिटनेस फ्रीक होते हैं, वह सर्दी हो या गर्मी हमेशा मॉर्निंग वॉक कर खुद को फिट रखते हैं। लेकिन सर्दियों में मॉर्निंग वॉक के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वहीं जो लोग हृदय रोगी हैं, उनको मॉर्निंग वॉक पर जाते समय अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। क्योंकि सर्दियों में हृदय रोगियों की दिक्कतें अधिक बढ़ सकती हैं। बता दें कि हृदय पर ठंडी हवाओं का अधिक दबाव पड़ता है। जिसकी वजह से ब्लड को पंप करने के लिए हृदय को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप भी हृदय संबंधी बीमारी से परेशान रहते हैं, लेकिन आप सर्दियों में भी मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मॉर्निंग वॉक के दौरान हृदय रोगियों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

धूप निकलने के बाद करें वॉक

हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को जल्दी सुबह वॉक पर जाना अवॉइड करना चाहिए। क्योंकि सुबह के समय चलने वाली ठंडी हवाएं आपकी समस्या को बढ़ा सकती हैं। इसलिए जब थोड़ी धूप निकल आए, तब वॉक करें। इससे आपको अधिक ठंड भी नहीं लगेगी।

गर्म कपड़े पहनकर करें वॉक

हार्ट पेशेंट होने पर आप गर्म कपड़े पहनकर मॉर्निंग वॉक पर जा सकते हैं। मॉर्निंग वॉक के दौरान अच्छे से गर्म कपड़े पहन लें। इससे आपको अधिक ठंड नहीं लगेगी और आप सर्द हवाओं से भी बचे रहेंगे। मॉर्निंग वॉक के दौरान सिर्फ टी–शर्ट या शर्ट में बाहर जाने से बचना चाहिए।

हल्की एक्सरसाइज जरूर करें

सर्दियों में खुद को फिट रखने के लिए अगर आप मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, तो आप सुबह के समय हल्की एक्सरसाइज भी कर सकते है। इससे आपके शरीर में बल्ड सर्कुलेशन भी अच्छा बना रहता है। साथ ही एक्सरसाइज करने से आपको गर्माहट के साथ फ्रेशनेस भी फील होगी। बता दें कि एक्सरसाइज हमारे हार्ट के लिए भी बेहतर होती हैं।

हेल्दी डाइट लेना है जरूरी

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले थोड़ा–बहुत कुछ खाकर बाहर निकलें। सुबह मॉर्निंग वॉक पर खाली पेट जाने से बचना चाहिए। आप चाहें तो बाहर वॉक पर जाने से पहले ड्राई फ्रूट्स भी खा सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स के साथ पानी का भी सेवन कर सकते हैं। इससे आपकी हृदय का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

रोजाना नियमित तौर पर बीपी की चांज करवानी चाहिए। हाई बीपी की स्थिति होने पर सुबह वॉक पर जाने से बचना चाहिए। सर्दियों में हार्ट पेशेंट को इनडोर एक्टिविटीज करनी चाहिए।

माइग्रेन, आंखों की कमजोरी और जोड़ों के दर्द का इलाज है एक देसी पिन्नी

सर्दियां आते ही लोग कई तरह की चीजें अपनी डाइट में शामिल करते हैं ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो। इस दौरान ड्राई फ्रूट का भी सेवन किया जाता है, क्योंकि इनकी तासीर गर्म होती है। वहीं हमारी दादी– नानी भी सर्दियों में अकसर हमें पिन्नी का सेवन करने की सलाह देती हैं। इसे खाने के कई सारे फायदे होते, जैसे इम्यूनिटी बूस्ट होती है, आंखों की रोशनी तेज होती है, जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है। वहीं अगर सर्वाइकल या माइग्रेन का दर्द ज्यादा बढ़ जाए तो भी ड्राई फ्रूड लड्डू का सेवन कर सकते हैं।

कैसे करें सेवन?

ड्राई फ्रूटस पिन्नी का सेवन का सुबह नाश्ते में गर्म दूध के साथ कर सकते हैं। वहीं रात को अगर आप डिनर लाइट रखना चाहते हैं तो रात को सोने से पहले 1 पिन्नी का गर्मा– गर्म दूध के साथ सेवन कर सकते हैं। इससे नींद अच्छी आती है और इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। लेकिन रात को ये खाकर रहे हैं तो कुछ देर टहलें और फिर सोएं। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की रेसिपी..

आइए आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी....

ड्राई फ्रूट पिन्नी बनाने की सामग्री

बेसन– 1 छोटी कटोरी

सूजी– 1 छोटी कटोरी

आटा– 5 कटोरी

देसी घी– 2 कटोरी

काजू– बादाम– 1 कटोरी

किशमिश– 4 चम्मच

खरबूजे की गिरी– 4 चम्मच

गोंद– 4 चम्मच

चिरौंजी– 4 चम्मच

ड्राई फ्रूट पिन्नी बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक कढ़ाई में देसी घी लें और उसमें काजू बादाम को तलकर बाहर निकाल लें।

2. अब इसी घी में गोंद, खरबूजे की गिरी, चिरौंजी को तलकर बाहर निकाल लें और ठंडा होने पर सभी ड्राई फ्रूट्स को मिक्सी जार में डालकर दरदरा पीस लें।

3. अब घी में किशमिश और नारियल को भूनें । एक बड़ी कढ़ाई में सूजी को मध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

4.फिर कढ़ाई में थोड़ा घी लें और उसमें बेसन को भी माध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

5. उसमें आटे को भी माध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

6.फिर कढ़ाई में थोड़ा सा घी डालें और उसमें सारे ड्राई फ्रूट्स डालकर लगातार चलाते रहें और साथ ही गोल्डन किया हुआ बेसन आटे में डालकर लगातार चलाते रहें।

7. सबको अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ठंडा होने दें।

8. अब इनकी छोटी– छोटी पिन्नी बना लें।

कास्टिक सोडा से चुटकियों में चमक जाएगी किचन सिंक, हाइजीन के साथ सेहत भी रहेगी बेहतर

हर घर में किचन सिंक का इस्तेमाल रोजाना होता है। वहीं कई बार इसमें बचा हुआ खाना फंस जाता है। ऐसा होने पर सिंक जाम हो जाता है और पानी का बहाव धीमा या फिर एकदम रुक जाता है। जिसके कारण यह न सिर्फ किचन की खूबसूरती को कम करता है, बल्कि पानी फंसने के कारण इससे दुर्गंध भी आने लगती है। ऐसे में अगर आपके घर की किचन सिंक भी अक्सर जाम हो जाती है। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिंक से जुड़ी परेशानियों को सही करने के कुछ आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन तरीकों को आजमाने से किचन सिंक चमक उठेगा और इसमें जमा गंदगी भी साफ हो जाएगी।

अपनाएं ये तरीके

आप किचन सिंक को चमकाने के लिए कास्टिक सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। कई बार किचन के सिंक का नल खराब हो जाने के कारण इससे लगातार पानी की हल्की सी धारा निकलती रहती है। जिसके कारण सिंक में काई जमने लगती है। वहीं लगातार पानी बहने की वजह से ड्रेन पाइप काई के अलावा अन्य गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में आप कास्टिक सोडा की मदद से इसकी सफाई कर सकती हैं।

कास्टिक सोडा से करें किचन सिंक की सफाई

किचन सिंक की कास्टिक सोडा से सफाई करने के लिए सबसे पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें।

इसके बाद कास्टिक सोडा, बेकिंग सोडा, सिरका और लिक्विड डिश वॉश को एक बाउल में डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर स्क्रबर की सहायता से इसको सिंक के चारों ओर लगाएं।

इस लिक्विड को सिंक में लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए ऐसे ही थोड़ दें।

अब स्टील के स्क्रबर और ब्रश की सहायता से सिंक को रगड़ना शुरूकर दें।

धीरे–धीरे किचन सिंक में जमा सारी गंदगी साफ हो जाएगी।

यह तरीका भी कर सकते हैं ट्राई

यदि पहले तरीके से सिंक अच्छे से साफ न हुआ तो आप यह तरीका भी आजमा सकती हैं।

एक बाउल में कास्टिक सोडा और बाथरूम क्लीनर मिक्स कर लें।

इस मिक्सचर को स्क्रबर की सहायता से 20 मिनट के लिए किचन सिंक पर लगा दें।

फिर समय पूरा होने पर सिंक को स्क्रबर से रगड़ें।

इसके साथ ही सिंक के जाम को सही करने के लिए दो कटोरी कास्टिंक सोडा सिंक में डाल दें।

अब ऊपर से ठंडा पानी जालकर इसे 30 मिनट के लिए ऐसे छोड़ दें।

फिर दोबारा पानी डालकर सिंक अच्छे सो धो लें।

इस आसान तरीके से सिंक से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

खुजराहो में इन पांच खूबसूरत जगहों की जरूर करें सैर, जिंदगी भर याद रखेंगे ये एक्सपीरियंस

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले में स्थित खुजराहो एक बेहद शानदार शहर है। यह शहर अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। खुजराहो के मंदिरों के आर्टवर्क से लेकर आर्किटेक्चर तक सब कुछ पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करने का काम करता है। देश के मध्यकालीन हिंदू और जैन मंदिरों का सबसे बड़ा समूह भी आपको खुजराहो में देखने को मिलेगा। इसके अलावा सात अजूबों में से एक अजूबा खुजराहो में भी है। ऐसे में जब लोग खुजराहो घूमने के लिए जाते हैं, तो यहां स्थित मंदिरों को जरुर देखना चाहते हैं। यहां के मंदिरों में आकर आपको एक अलग तरह का अनुभव होगा। मंदिरों के अलावा भी खुजराहो में घूमने के लिए कई जगहे हैं। ऐसे में अगर आप भी खुजराहो घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि खुजराहो में आप किन चीजों का एक्सपीरियंस ले सकते हैं।

साउंड और लाइट शो

खुजराहो जाने के दौरान आप साउंड और लाइट शो का आनंद लेना न भूलें। यह रात के समय करने लायक चीजों में से एक है पश्चिमी मंदिर ग्रुप द्वारा आयोजित किया जाता है। साउंड और लाइट शो के माध्यम से विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक तथ्यों के अलावा वहां की संस्कृतियों का चित्रण किया जाता है। इस शो को देखने के बाद आप इसे कभी भूल नहीं सकते हैं। यह शो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में आयोजित किया जाता है। इस शो के माध्यम से पर्यटकों को मंदिर की नक्काशी, कला और आकर्षक कहानियों के बारे में जानकारी मिलती है।

पन्ना नेशनल पार्क

इसके अलावा आपको यहां पर पन्ना नेशनल पार्क भी जरूर घूमना चाहिए। पन्ना नेशनल पार्क को इस राज्य का 5वां और देश का 22वां टाइगर रिजर्व कहा जाता है। यहां पर आपको सियार, लंगूर, जंगली सूअर, चिंकारा और चीता सहित अन्य वन्यजीव प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही जंगल सफारी का आनंद लेते हुए वाइल्ड लाइफ को करीब से एक्सपीरियंस कर सकते हैं। आप चाहें तो जंगल कॉटेज में भी रह सकते हैं।

अजयगढ़ किला

अगर आपको ऐतिहासिक चीजों में रुचि है, तो आप अजयगढ़ किला भी घूम सकते हैं। यह किला खुजराहो से 80 किमी दूर एक खूबसूरत पहाड़ी पर 688 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस किले को चंदेल राजाओं के किले के तौर पर जाना जाता था। कहते हैं कि उनके शासनकाल में चंदेल राजाओं का गढ़, किलों ने अहम भूमिका निभाई थी।

स्टेट म्यूजियम ऑफ ट्राइबल एंड फोक आर्ट

खजुराहो में चंदेला कल्चरल कॉम्पलैक्स में स्थित स्टेट म्यूजियम ऑफ ट्राइबल एंड फोक आर्ट में बेहतरीन प्राचीन अवशेष और कलाकृतियां मौजूद हैं। इस म्यूजियम में आप कारीगरों के शानदार ट्राइबल वर्क को देख सकते हैं। यहां पर आपको कई संस्कृतियों, परंपराओं और कलाकृतियों और धर्मों के अवशेषों के बारे में जान सकते हैं। यहां पर आकर आपको एक अलग एक्सपीरियंस होगा।

पांडव वॉटरफॉल

जब आप पन्ना नेशनल पार्क घूमने के लिए जाएं, तो इसके पीछे 30 मीटर की ऊंचाई से पांडव वॉटरफॉल गिरता है। इस वॉटरफॉल का पानी नीचे एक तालाब में गिरता है। बताया जाता है कि इस झरने के नीचे से पांडव होकर गुजरे थे। जिस कारण इसे पांडव वॉटरफॉल कहा जाता है। आपको यहां एक बार जरूर आना चाहिए।

संक्षिप्त

एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई नवंबर में छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचा, विनिर्माण क्षेत्र में सुस्ती के संकेत

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स नवंबर में 59.9 पर आ गया, यह अक्तूबर में 60.4 था। छह महीने में यह सबसे निचला स्तर है। हालांकि सूचकांक अब भी तटस्थ 50.0 अंक से काफी ऊपर है, जो समग्र व्यावसायिक गतिविधि में इजाफे का संकेत देता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में महीने–दर–महीने बदलाव को मापता है। रिपोर्ट बताती है कि नए ऑर्डर और व्यावसायिक गतिविधि में विस्तार जारी है, लेकिन मई के बाद से गति सबसे धीमी रही। कमजोर मांग और देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक रहे। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, "मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में गिरावट आई है, हालांकि परिचालन स्थितियों में सुधार अच्छा बना हुआ है। नए निर्यात ऑर्डरों में वृद्धि अक्तूबर के बराबर रही, लेकिन कुल नए ऑर्डर कम आए, यह दर्शाता है कि जीएसटी–प्रेरित वृद्धि अपने चरम पर पहुंच चुकी है। लागत का दबाव कम हुआ है और कीमतें भी घटी हैं।" नवंबर में एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.4 पर आ गया, यह अक्तूबर के 59.2 से गिरकर नौ महीनों में परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी सुधार का संकेत है। निर्माताओं ने उत्पादन और नए ऑर्डरों में कम वृद्धि दर्ज की, जबकि सेवा क्षेत्र में मांग मामूली रूप से सुधरी। रिपोर्ट के अनुसार, बिक्री में धीमी वृद्धि के कारण रोजगार सृजन भी प्रभावित हुआ। रोज़गार में लगातार 42वें महीने वृद्धि हुई, लेकिन यह डेढ़ साल से अधिक समय में सबसे कम दर रही। कीमतों के मोर्चे पर राहत मिली है। इनपुट लागत मुद्रास्फीति लगभग साढ़े पाँच साल के निचले स्तर पर रही, जबकि आउटपुट चार्ज मुद्रास्फीति आठ महीने के न्यूनतम स्तर पर आ गई। भविष्य को लेकर कंपनियां आशावादी बनी हुई हैं, लेकिन समग्र व्यावसायिक विश्वास जुलाई 2022 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसका कारण कमजोर मांग की स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं।

1.5 हजार टोयोटा कारें वापस, चीन से आयात पर जांच

नई दिल्ली। आरबीआई ने बताया कि इससे दोनों क्षेत्रों के यूजरों को फायदा होगा। आरबीआई और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) इस इंटरलिंकेज को शुरू करने के लिए यूरोपीय सेंट्रल बैंक के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह कदम जी20 के उस रोडमैप के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय भुगतान को बेहतर बनाना है। गौरतलब है कि भारत यूपीआई को अन्य देशों के फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने पर जोर दे रहा है। हाल में पेरू ने भी अगले साल तक यूपीआई जैसी रियल–टाइम पेमेंट प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। आरबीआई सीमा–पार भुगतान को बढ़ावा देने के लिए दूसरे देशों की त्वरित भुगतान प्रणालियों से यूपीआई को जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

टोयोटा ने वापस मंगाए 11.5 हजार अर्बन क्रूजर

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मिड साइज एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच करने और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद 9 दिसंबर, 2024 से 29 अप्रैल, 2025 के बीच बनी 11,529 कारों में खामियों की जांच करना है।ध्अगर इनके कॉम्बिनेशन मीटर में खराबी पाई जाती है, तो उसे बदला जाएगा।

अनुषंगी कंपनी में 82 करोड़ डॉलर निवेश करेगी इंडिगो

इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लि. में 82 करोड़ डॉलर (7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0.01 फीसदी गैर–संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर के संयोजन से एक या अधिक किस्तों में किया जाएगा। देश में परिवार अब अपने मासिक उपभोग व्यय का बड़ा हिस्सा गैर–खाद्य पदार्थों पर खर्च कर रहे हैं। इनमें उपभोग योग्य वस्तुएं, सेवाएं और टिकाऊ वस्तुएं शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि घरों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो रही है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी–पीएम) के एक कार्य पत्र में यह कहा गया है।

ईएसी-पीएम ने शुक्रवार को जारी अपने कार्य-पत्र भारत में टिकाऊ वस्तुओं के स्वामित्व में बदलाव

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2011–12 एवं 2023–24 का विश्लेषण में कहा, ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में टिकाऊ वस्तुओं पर प्रति व्यक्ति मासिक खर्च (एमपीसीई) का हिस्सा बढ़ा है। कई राज्यों में ग्रामीण क्षेत्र का हिस्सा शहरी घरों से थोड़ा आगे निकल गया है। साथ ही, चालू कीमतों पर सभी राज्यों और सभी क्षेत्रों में खर्च बढ़ा है, लेकिन शहरी घरों में यह थोड़ा ज्यादा है। कार्य–पत्र के मुताबिक, ऐसे में घरेलू उपभोग व्यय का बड़ा हिस्सा अब गैर–खाद्य मदों पर जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में उपभोग योग्य वस्तुएं एवं सेवाएं ही घरेलू खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। इसमें कहा गया कि मोबाइल फोन हर जगह बढ़े हैं।ध्इससे देश की आबादी के लिए आपस में बेहतर जुड़ाव का पता चलता है।

चीन आयातित पॉलिस्टर धागे की डंपिंग जांच शुरू

भारत ने दो घरेलू कंपनियों की शिकायतों के बाद चीन से आयातित पॉलिस्टर टेक्सचर्ड धागे की डंपिंग जांच शुरू कर दी है। व्यापार उपचार महानिदेशालय ने कहा, रिलायंस और वेलनोउन पॉलिस्टर ने अपने आवेदनों में दावा किया है कि चीन से इन धागों के सस्ते आयात से घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ है और इसलिए सरकार डंपिंग रोधी शुल्क लगाए।

ऑस्ट्रेलिया ने 205 रन का लक्ष्य महज 29 ओवर में हासिल किया, हेड ने 83 गेंद पर 123 रन की तूफानी पारी खेली

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए एशेज सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। यह मुकाबला महज दो दिन में खत्म हुआ। इंग्लैंड की टीम शनिवार को अपनी दूसरी पारी में 164 रन पर सिमट गई थी। कंगारुओं के सामने इंग्लिश टीम ने 205 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट गंवाकर महज 28.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टी20 के अंदाज में खेलते हुए जीत हासिल की। कंगारुओं की इस जीत के नायक ट्रेविस हेड रहे, जिन्होंने 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्कों की मदद से 123 रन की तूफानी पारी खेली। वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में पहली बार बतौर ओपनर उतरे और तहलका मचा दिया। इसके अलावा मार्नस लाबुशेन 49 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी की और शुक्रवार को पूरी टीम 33 ओवर के अंदर 172 रन पर सिमट गई थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने कहर बरपाते हुए सात विकेट झटके, जबकि डेब्यूटेंट डॉगेट को दो विकेट मिले। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार तक नौ विकेट गंवा दिए थे और शनिवार को टीम 132 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रन की बढ़त मिली। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने पांच विकेट लिए, जबकि ब्राइडन कार्स को तीन और जोफ्रा आर्चर को दो विकेट मिले। दूसरे दिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 164 रन बनाए और कुल बढ़त 204 रन की हुई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को जेक वेदराल्ड के रूप में पहला झटका लगा। वह 23 रन बना सके। वेदराल्ड और हेड के बीच 73 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद लाबुशेन के साथ हेड ने 117 रन की साझेदारी निभाई। हेड दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। लाबुशेन 51 रन और कप्तान स्टीव स्मिथ दो रन बनाकर नाबाद रहे।

इंग्लैंड की दूसरी पारी

इंग्लैंड को पहला झटका जैक क्राउली के रूप में लगा और वह लगातार दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके। उन्हें स्टार्क ने पवेलियन भेजा। इसके बाद बेन डकेट और ओली पोप ने दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को स्कॉट बोलैंड ने तोड़ा। उन्होंने डकेट को स्मिथ के हाथों कैच कराया। डकेट 28 रन बना सके।

डकेट के आउट होते ही लगी विकेट की झड़ी

डकेट के आउट होते ही विकेट की झड़ी लग गई। ओली पोप 33 रन बनाकर बोलैंड का, जो रूट आठ रन बनाकर स्टार्क का और कप्तान बेन स्टोक्स दो रन बनाकर स्टार्क का शिकार बने। हैरी ब्रूक खाता नहीं खोल सके और उन्हें बोलैंड ने पवेलियन भेजा। वहीं, जेमी स्मिथ के रूप में इंग्लैंड को सातवां झटका लगा। उन्हें ब्रैंडन डॉगेट ने कैच आउट कराया। जेमी 15 रन बना सके।

कार्स–एटकिंसन की 50 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी

इसके बाद ब्राइडन कार्स ने गस एटकिंसन के साथ आठवें विकेट के लिए 50 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। कार्स 20 रन बनाकर डॉगेट का शिकार बने, जबकि आर्चर पांच रन बनाकर डॉगेट का ही और एटकिंसन 37 रन बनाकर बोलैंड का शिकार बने। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बोलैंड ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए, जबकि स्टार्क और डॉगेट को तीन–तीन विकेट मिले।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद आर्चर ने मार्नस लाबुशेन को बोल्ड किया। गेंद लाबुशेन के हाथ पर लगकर विकेट पर जा लगी। वह नौ रन बना सके।

स्मिथ और ख्वाजा नहीं चले

इसके बाद ब्राइडन कार्स ने स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा को आउट किया। स्मिथ 17 रन और ख्वाजा दो रन बना सके। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने ट्रेविस हेड को ब्राइडन कार्स के हाथों कैच कराया। हेड 21 रन बना सके। इसके बाद स्टोक्स ने कैमरून ग्रीन को विकेटकीपर जेमी के हाथों कैच कराया। वह 24 रन बना सके। मिचेल स्टार्क भी 12 रन बनाकर स्टोक्स का शिकार बने। स्टोक्स को चौथी सफलता एलेक्स कैरी के रूप में मिली। कैरी 26 रन बनाकर आउट हुए। स्टोक्स ने पांचवीं सफलता स्कॉट बोलैंड के रूप में हासिल की। आखिरी विकेट लियोन के रूप में गिला। उन्हें कार्स ने डकेट के हाथों कैच कराया।

इंग्लैंड की पहली पारी

इंग्लैंड का पहले बल्लेबाजी करने का फैसला हालांकि, गलत साबित हुआ है और टीम ने 40 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए हैं। इंग्लैंड को पहले ही ओवर में झटका लगा जब स्टार्क ने पहले ही ओवर में जैक क्राउली को आउट किया। क्राउली खाता नहीं खोल सके। इसके बाद स्टार्क ने बेन डकेट और जो रूट को भी पवेलियन भेजा। डकेट 20 गेंद में 21 रन बनाकर एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। वहीं, जो रूट खाता खोले बिना स्टार्क की गेंद पर स्लिप में लाबुशेन को कैच थमा बैठे।

ब्रूक का अर्धशतक

इसके बाद ब्रूक ने ओली पोप के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को कैमरून ग्रीन ने तोड़ा। उन्होंने पोप को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। पोप अर्धशतक से चूक गए और 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स को भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा। स्टार्क ने स्टोक्स को क्लीन बोल्ड किया। वह छह रन बना सके। इसके बाद डेब्यूटेंट डॉगेट ने हैरी ब्रूक को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रूक 52 रन बना सके। इसके तुरंत बाद ने स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया। वह एक रन बना सके। स्टार्क की यह इस पारी में पांचवीं सफलता रही। डॉगेट ने फिर ब्राइडन कार्स को लाबुशेन के हाथों कैच कराया। वह छह रन बना सके। इसके बाद आखिरी के दो बल्लेबाजों को स्टार्क ने चलता किया। जेमी स्मिथ 22 गेंद में 33 रन और मार्क वुड खाता खोले बिना आउट हुए। इस तरह स्टार्क की दमदार गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड की टीम बेबस नजर आई। स्टार्क–डॉगेट के अलावा एक विकेट कैमरून ग्रीन को मिला। इंग्लैंड की टीम साढ़े चार घंटे भी बैटिंग नहीं कर सकी।

चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होकर संजू सैमसन खुश, बोले–

धोनी के साथ खेलना मेरा सपना था

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने खुलासा किया है कि वह बचपन से ही महेंद्र सिंह धोनी के करीब रहने और उनसे सीखने की इच्छा रखते थे। अब किस्मत ने उन्हें वह मौका दे दिया है, क्योंकि आईपीएल 2026 में वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए धोनी के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम साझा करेंगे। सैमसन को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 18 करोड़ रुपये के ट्रेड में सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया है।

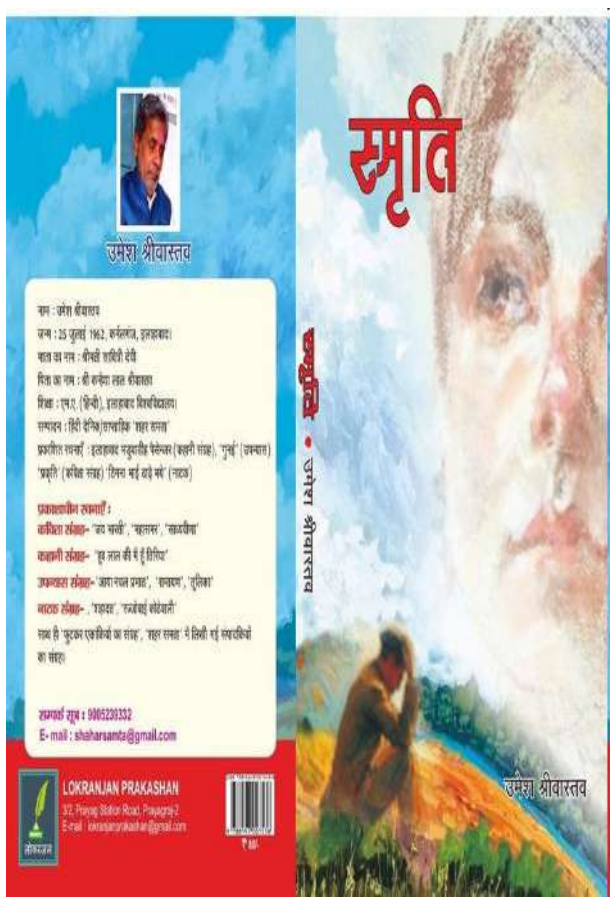

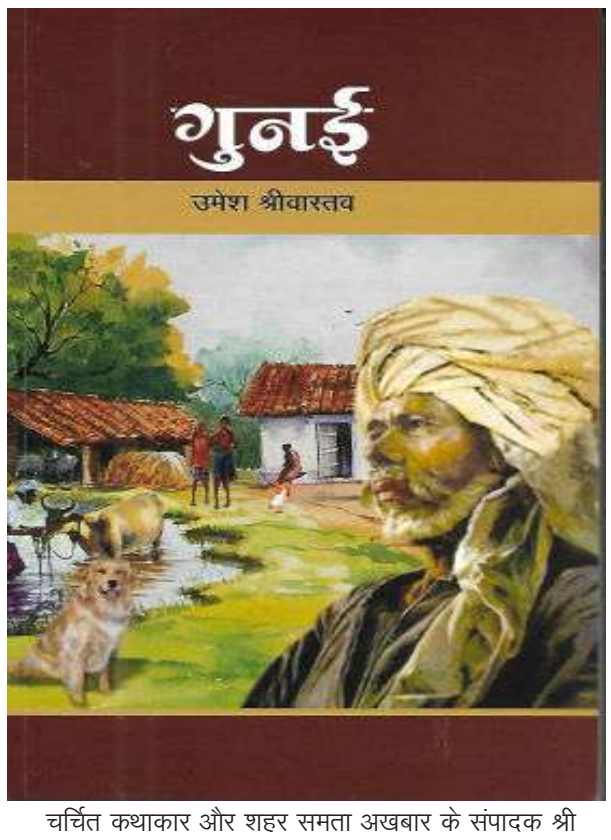

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

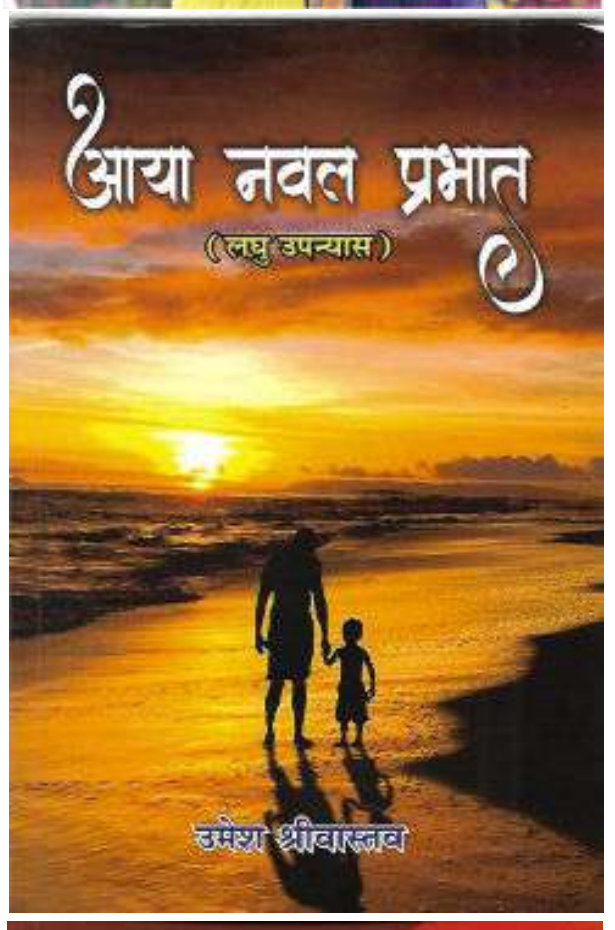

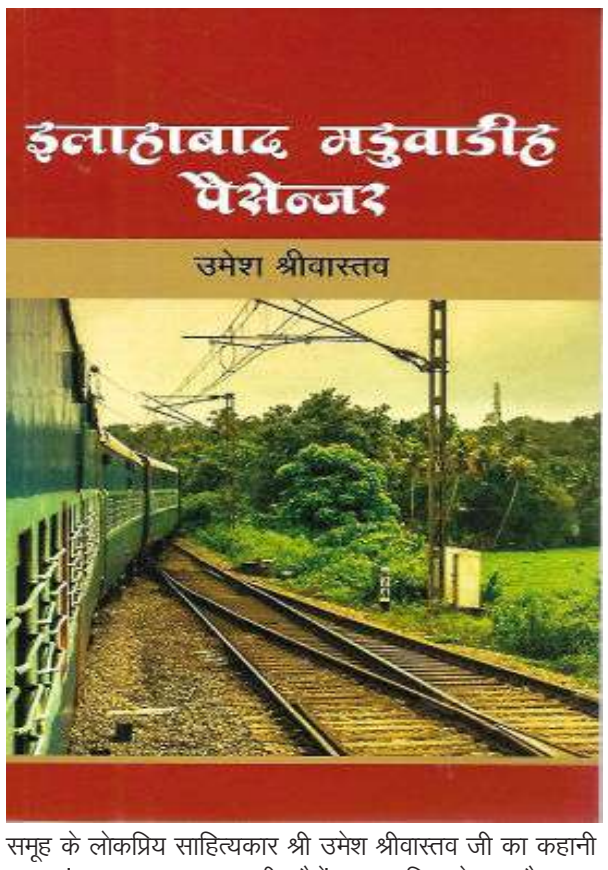

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

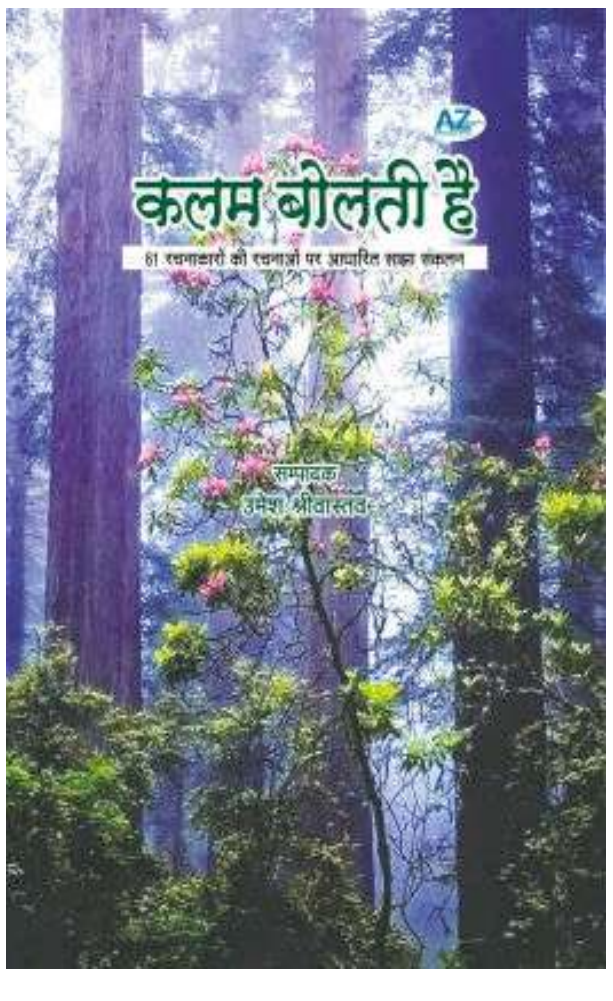

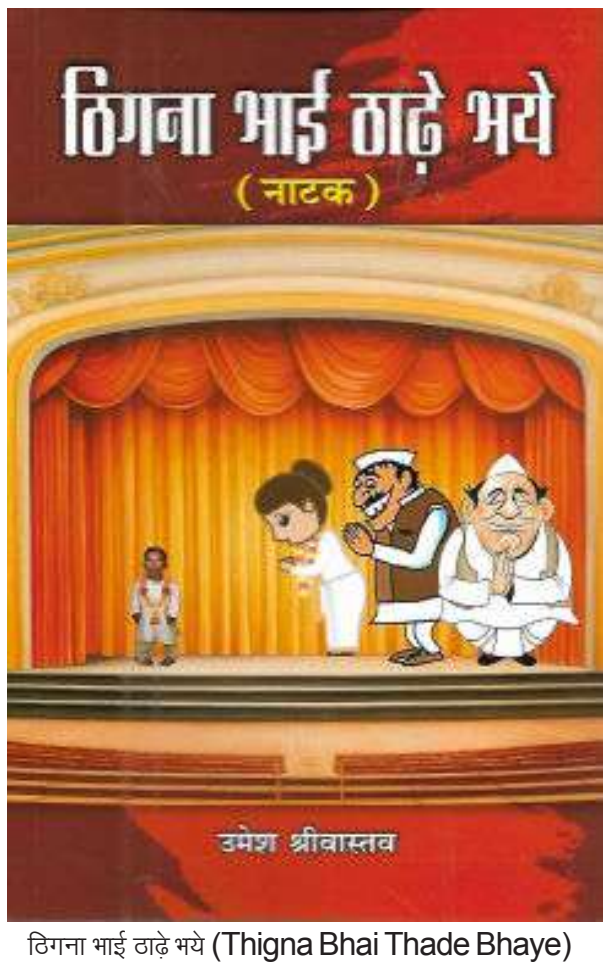

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

टीटीपी के बढ़ते आतंक ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की खोली पोल, खैबर पख्तूनख्वा में 17 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक बार फिर आतंकी गतिविधियों का जाल सामने आया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था की विफलता उजागर हो गई है। बन्नू जिले में टीटीपी आतंकियों की मजबूत मौजूदगी और लगातार हो रही मुठभेड़ों ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान अपनी ही जमीन पर फैल रहे आतंक के खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाने में नाकाम है। 17 टीटीपी आतंकियों का मारा जाना इसी गहरी जड़ें जमा चुके आतंकी नेटवर्क का संकेत है। शेरी खैल और पक्का पहाड़ खैल में आतंकियों की सक्रिय मौजूदगी की पुष्टि के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया। लेकिन यह खुद इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तानी एजेंसियां पहले आतंकियों को बढ़ने देती हैं और बाद में कार्रवाई का दिखावा करती हैं। वर्षों से टीटीपी खुलकर पाकिस्तान में हथियारों और विस्फोटकों के साथ सक्रिय है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

पाकिस्तान की नापाक 'निगरानी' उजागर

आईजीपी जुल्फिकार हमीद के अनुसार पहले अभियान में 10 आतंकी मारे गए और एक फसिलिटेटर गिरफ्तार हुआ। लेकिन सवाल यह है कि इतने बड़े आतंकी नेटवर्क की जानकारी पाकिस्तान को पहले क्यों नहीं मिली। सात शव बरामद हुए जबकि तीन दुर्गम इलाके में रहे यह भी पाकिस्तान की कमजोरी है कि आतंकवादी पहाड़ी क्षेत्रों में पूरे सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं और सरकार वर्षों से हालात काबू नहीं कर

पा रही है।

आठ घंटे की मुठभेड़

दूसरे पूरे आठ घंटे चले अभियान में सात और आतंकी मारे गए। पाकिस्तान दावा करता है कि सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन असलियत यह है कि टीटीपी की बढ़ती शक्ति और लगातार जारी हमलों ने पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैला दी है। स्थानीय लोग भी अब पाकिस्तान सरकार की नाकामी से परेशान हैं और सुरक्षा एजेंसियों पर भरोसा खोते जा रहे हैं।

पाकिस्तान की ढुलमुल नीति का नतीजा

मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। यह पाकिस्तान की उस ढुलमुल नीति का नतीजा है जिसने दशकों तक आतंकी संगठनों को पनाह दी और उनका इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ किया। अब वही संगठन पाकिस्तान में ही सिर उठा रहे हैं और सुरक्षा तंत्र को चुनौती दे रहे हैं।

एक और बड़ी नाकामी बेनकाब

अब्शार चौक बन्नू में 10 किलो का बम मिलने और उसे निष्क्रिय करने की घटना यह साफ दिखाती है कि पाकिस्तान आतंकियों के जाल को खत्म नहीं कर पा रहा। घी के डिब्बे में छिपाया गया बम एक बड़े हमले की साजिश का हिस्सा था, जिसे समय रहते रोका गया। लेकिन यह खतरा हर बार टलना पाकिस्तान की असफलता का प्रमाण है, सफलता का नहीं।

लॉस एंजिलिस पोर्ट पर भीषण आग, कंटेनर शिप में विस्फोट से मचा हड़कंप, रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन

वॉशिंगटन। लॉस एंजिलिस के व्यस्ततम पोर्ट पर शुक्रवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कंटेनर शिप में अचानक आग भड़क उठी। जहाज पर मौजूद 23 क्रू मेंबर सुरक्षित बताए गए, लेकिन आग तेजी से फैलती गई और बाद में जहाज के मध्य हिस्से में विस्फोट भी हुआ। अधिकारी इस घटना को गंभीर मानते हुए पूरे ऑपरेशन पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट के अनुसार आग जहाज के डेक के नीचे इलेक्ट्रिकल सेक्शन में शुरू हुई और धीरे–धीरे ऊपर तक पहुंच गई। जिस जहाज में आग लगी उसका नाम 'वन हेनरी हडसन'

है और यह 1,102 फुट लंबा कंटेनर शिप है। जहाज पर मौजूद कुछ कंटेनरों में खतरनाक सामग्री भी है, जिससे आग बुझाने का काम और चुनौतीपूर्ण हो गया।

आग के फैलाव से खतरा बढ़ा

शाम 7 बजे तक आग जहाज के कई लेवल तक फैल गई थी। इसी दौरान अचानक डेक के बीचोंबीच एक बड़ा विस्फोट हुआ, जिससे ऑपरेशन और कठिन हो गया। अधिकारी अभी यह नहीं बता पाए हैं कि आग किस वजह से लगी, लेकिन शुरुआती जांच इसे तकनीकी खराबी से जोड़ रही है।

100 से ज्यादा फायरफाइटर्स जुटे

घटना की गंभीरता को देखते हुए 100 से अधिक फायरफाइटर्स मौके पर तैनात किए गए। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने कहा कि हेज़र्डस मटेरियल टीम हवा की गुणवत्ता की लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। पोर्ट ऑफ लॉस एंजिलिस उत्तरी अमेरिका का सबसे व्यस्त पोर्ट है, इसलिए सुरक्षा उपाय उच्च स्तर पर लागू किए गए हैं। 'वन ओशन एक्सप्रेस' कंपनी के इस जहाज ने एलए पहुंचने से पहले जापान के कोबे, नागोया और टोक्यो में रुकान किया था। कंपनी से प्रतिक्रिया मांगी गई है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है। अधिकारियों ने साफ किया है कि विस्तृत जांच के बिना आग के कारणों पर निश्चित टिप्पणी नहीं की जा सकती। जांच टीमें जहाज के इलेक्ट्रिकल सिस्टम और खतरनाक सामग्री वाले कंटेनरों पर विशेष फोकस कर रही हैं।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें, यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे। गुटेरेस ने कहा, अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, श्दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, ळ20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

व्हाइट हाउस में ममदानी से मिले ट्रंप, दोहराया भारत–पाक शांति में भूमिका का दावा, क्या है हकीकत?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पुराने दावे को फिर दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर ज़ोहरान ममदानी से मुलाकात के दौरान कही। चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रपति के साथ अपनी पहली औपचारिक बातचीत के लिए ममदानी वाशिंगटन आए थे और यह चर्चा ओवल ऑफिस में हुई, जहाँ ट्रंप ने मुलाकात को ष्शानदारष् बताया और कहा कि उन्हें उनसे बात करके बहुत अच्छा लगा। दोनों नेताओं के एक साथ खड़े होने पर, ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए गतिरोध का ज़िक्र करते हुए कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान सहित आठ देशों के साथ शांति समझौते किए और अपनी इस बात को दोहराया कि उनके प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी

टिप्पणियाँ पूरे सप्ताह उनके द्वारा दिए गए इसी तरह के बयानों के अनुरूप थीं। बुधवार को, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों को शत्रुता न रोकने पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, और इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्होंने दोनों परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों के बीच टकराव को समाप्त करने में निर्णायक भूमिका निभाई। ट्रम्प ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे कहा था कि हम युद्ध नहीं करेंगे, एक ऐसा बिंदु जिसे उन्होंने बार–बार उजागर किया है। 10 मई के बाद से, जब उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वाशिंगटन द्वारा आयोजित लंबी रात की चर्चा के बाद भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' युद्धविराम पर सहमत हुए हैं, उन्होंने 60 से ज़्यादा बार कहा है कि उन्होंने तनाव को ''समाधान'' करने में मदद की। हालांकि, भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के सुझावों को लगातार खारिज किया है। नई दिल्ली ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढाँचे को निशाना बनाया गया, जिसमें धर्म के नाम पर 26 नागरिक मारे गए थे। चार दिनों तक भारी ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद, दोनों पक्ष 10 मई को शत्रुता समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचे।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुई भावुक, मीडिया से कहा–

अपहरण–प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला?

ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार–बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप

जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार–बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी–सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है, पत्नी हनन एल्तार का बयान यह याद दिलाता है कि जवाबदेही और न्याय की मांग अब भी अधूरी है। सात साल बाद भी वो न्याय की राह देख रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में पहली बार किसी व्यक्ति की 'बर्ड फ्लू' के एक दुर्लभ प्रकार से मौत होने की आशंका

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में एक व्यक्ति के पहली बार 'बर्ड फ्लू' के एक दुर्लभ प्रकार से मरने की आशंका जताई जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने हालांकि कहा है कि इससे लोगों को अधिक खतरा नहीं है। वॉशिंगटन के स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मरने वाला व्यक्ति एक बुजुर्ग था जिसे पहले से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं थीं और एच5एन5 (बर्ड फ्लू) वायरस से संक्रमित होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। बयान में कहा गया है कि ऐसा लगता है कि वह वायरस के इस प्रकार से संक्रमित होने वाला पहला इंसान था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सिएटल से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में ग्रेज हार्बर काउंटी के रहने वाले इस व्यक्ति के घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड रहता था जो जंगली पक्षियों के संपर्क में आ गया था। स्वास्थ्य अधिकारियों के बयान में कहा गया है, ''लोगों के लिए खतरा कम है। जांच में किसी और व्यक्ति को 'एवियन इन्फ्लूएंजा' से संक्रमित नहीं पाया गया है।'' अधिकारियों ने कहा कि वे संक्रमित व्यक्ति के करीबी संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति पर नजर रखेंगे, लेकिन अन्य लोगों के इस वायरस से संक्रमित होने का कोई सबूत नहीं है। इस महीने की शुरुआत में 'रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र' ने संक्रमण के बारे में एक बयान जारी करके कहा था कि ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे पता चले कि इस मामले की वजह से जन स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ गया है। एच5एन5 को मनुष्यों के लिए एच5एन1 से अधिक बड़ा खतरा नहीं माना जा रहा है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाज़ीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग–अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17: घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चौटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत–ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।